वर्ष 24, अंक 196, पृष्ठ 08, मूल्य: 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज शनिवार 24 जनवरी 2025 विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

'स्टालिन सरकार का काउंटडाउन शुरू...'

DMK को पीएम मोदी ने बताया CMC

तमिलनाडु

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार (23 जनवरी, 2026) को तमिलनाडु सरकार पर हमला बोला और कहा कि द्रविड मुनेत्र काषगम के कुशासन से तमिलनाडु मुक्ति चाहता है. डीएमके ने वादे ढेर सारे किए पर काम जीरो रहा. उन्होंने कहा कि डीएमके की सरकार CMC - करप्शन, माफिया और क्राइम को बढ़ावा देने वाली सरकार है. तमिलनाडु के चेंगलपट्टू में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने ये बातें कहीं.

पीएम मोदी ने कहा कि तमिलनाडु बदलाव चाहता है. मंच पर देखिए एनडीए के सीनियर नेता राज्य का भविष्य तय करने के लिए एकत्रित हुए हैं. उन्होंने कहा कि एक ही संकल्प है कि डीएमके से मुक्ति दिलानी है. तामिलनाडु को करप्शन फ्री स्टेट बनाना है. डीएमके के एग्जिट का काउंटडाउन शुरू हो चुका है.

'DMK-CMC को तमिलनाडु से उखाड़ फेंकना है', बोले पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि जनता इस उ्टङ- उटउ को उखाड़ फेंकने के लिए तैयार है, यहां बीजेपी-एनडीए की डबल इंजन की सरकार बननी तय है. उन्होंने कहा, 'आज तमिलनाडु में एक ऐसी सरकार है, जिसे डेमोक्रेसी या अकाउंटेबिलिटी से कोई लेना देना नहीं है. डीएमके सिर्फ एक परिवार की जी हुजूरी में लगी हुई है. अगर डीएमके में किसी को आगे बढ़ना है तो उसे डायनेस्टी रूट, करप्शन, एब्यूज विमेन, एब्यूज कल्चर रूट लेना होगा.' प्रधानमंत्री ने कहा कि आज वही लोग आगे बढ़ रहे हैं, जिनको इस तरह के काम आते हैं, इससे पूरे तमिलनाडु को नुकसान हो रहा है. बच्चा-बच्चा जानता है कि कहां-कहां करप्शन हो रहा है, और किसकी जेब में जा रहा है.

एनडीए सरकार के 11 सालों के काम गिनाए

पीएम मोदी ने 11 सालों में एनडीए सरकार के कार्यों का जिक्र करते हुए कहा, 'साल 2014 से पहले डीएमके और कांग्रेस की गठबंधन वाली सरकार थी, तमिलनाडु के विकास के लिए बहुत कम फंड दिया जाता था. वहीं केंद्र की सरकार ने तीन लाख करोड़ रुपए दिए हैं. केंद्र सरकार में होकर वो जो करते थे, उससे तीन गुणा अधिक एनडीए सरकार में दिया गया है. तमिलनाडु के वेलफेयर के लिए करोड़ों की मदद मिली है. डीएमके और कांग्रेस के गठबंधन के राज में गरीब रउ, रळ, डइउ के वेलफेयर के नाम पर घोटाले ही होते थे.'

'एनडीए सरकार किसानों और मछुआरों को हर मोर्चे पर सपोर्ट कर रही', बोले पीएम मोदी

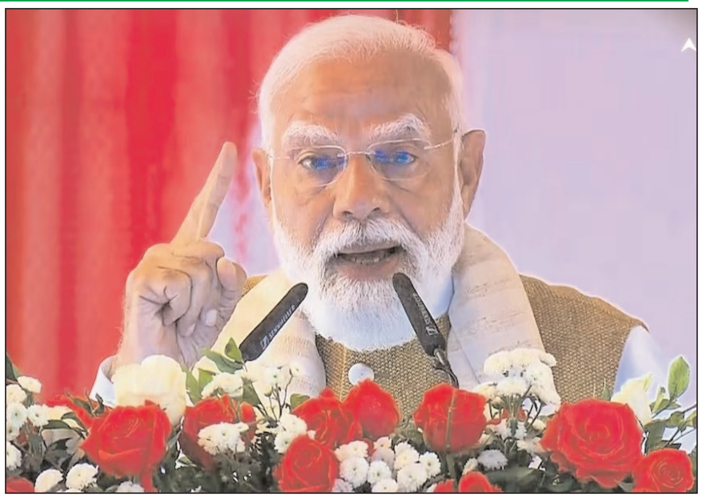

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'मैं आपको रेल बजट का उदाहरण देता हूं, यूपीए की सरकार के मुकाबले एनडीए 7 प्रतिशत अधिक बजट दे रही है. यहां वंदे भारत जैसी आधुनिक ट्रेन भी एनडीए सरकार ने चलाई है.' उन्होंने तमिलनाडु के मछुआरों और किसानों को राज्य की ताकत बताया. उन्होंने कहा कि एनडीए किसान और मछुआरों को हर मोर्चे पर सपोर्ट कर रही है.

पीएम ने बताया कि पहले किसानों के बैंक अकाउंट बहुत कम होते थे, एनडीए ने अकाउंट खोले और पीएम निधि योजना के तहत देश भर में चार लाख करोड़ अकाउंट में भेजे, वहीं, तमिलनाडु में 12,700 करोड़ भेजे गए हैं. इसके तहत मछुआरों को डीप फिशिंग वैसल और क्रेडिट कार्ड दिए गए हैं.

उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार किसानों और मछुआरों को कोऑपरेटिव से जोड़ रही है. तमिलनाडु में फूड प्रोसेसिंग के लिए अधिक संभावनाएं हैं,उनकी पैदावार दुनियाभर के बाजार में पहुंचे. पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि विकसित तामिलनाडु बनाने में युवाशक्ति और नारीशक्ति की बड़ी भूमिका है, लेकिन डीएमके ने युवाओं को ड्रग्स की ओर धकेल रही है. मां बाप अपनी आंखों के सामने बर्बाद होते देख रहे हैं.

डीएमके के राज में ड्रग और शराब माफिया फल-फूल रहा, पीएम ने कहा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि तमिलनाडु में ड्रग्स माफिया स्कूल और कॉलेज को टारगेट कर रहे हैं. डीएमके की सच्चाई पूरा तमिलनाडु जानता है. डीएमके के ड्रग माफिया के साथ जुड़े होने के आरोप हैं. हमारे युवाओं को ड्रग्स के शिकंजे से बचाना होगा. आपका एक वोट ड्रग माफिया मुक्त करेगा.

पीएम मोदी ने कहा, 'एनडीए तमिलनाडु के हेल्थ केयर सिस्टम को ट्रांसफॉर्म करेगी. मुझे खुशी है कि केंद्र की एनडीए की मुद्रा स्कीम से यहां के युवा, पिछड़ों को मुद्रा लोन दिए गए हैं. आज भारत दुनियाभर के निवेशकों की पसंद बन रहा है. यहां एनडीए की डबल इंजन की सरकार जरूरी है. निवेशकों को यहां पैसा लगाना आसान होगा.'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'इस साल तमिलनाडु का मेरा पहला दौरा है. ये वो समय है जब पूरा तमिलनाडु पोंगल के बाद अलग ही आनंद में है. कुछ दिन पहले पूर्व मुख्यमंत्री एम. जी. रामचंद्रन की जन्म जयंती भी मनाई गई. ऐरी कातरामर की भूमि से आप सभी को प्रणाम करता हूं।

दक्षिण की पथरीली जमीन पर कमल खिलाने उतरे मोदी

दक्षिण की पथरीली जमीन पर कमल खिलाने के इरादे से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज केरल और तमिलनाडु का सघन दौरा कर भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के चुनावी अभियान का शंखनाद कर दिया। दोनों राज्यों में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले प्रधानमंत्री का यह दौरा राजनीतिक संकेतों से भरा रहा जहां विकास परियोजनाओं के उद्घाटन व शिलान्यास के साथ-साथ विपक्ष पर तीखे प्रहार भी किए गए।

केरल में प्रधानमंत्री ने राजधानी तिरुवनंतपुरम में भव्य रोड शो से शुरुआत की। केरल में हालिया निकाय चुनावों में भाजपा के बेहतर प्रदर्शन और तिरुवनंतपुरम के मेयर पद पर काबिज होने की वजह से पार्टी कार्यकताओं में नया उत्साह भर गया है। इसी पृष्ठभूमि में मोदी ने रेल परियोजनाओं को हरी झंडी दिखाई और कई विकास कार्यों की आधारशिला रखी। सार्वजनिक सभा में उन्होंने केंद्र सरकार की योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि विकास और सुशासन के साथ केरल को नई दिशा दी जा सकती है। प्रधानमंत्री मोदी ने केरल में सत्तारुढ़ वाम मोर्चे पर निशाना साधते हुए शबरिमला में सोना गायब होने का मुद्दा तो उठाया ही साथ ही उन्होंने मुस्लिम लीग के साथ कांग्रेस के संबंधों को लेकर उस पर भी हमला बोला और आरोप लगाया कि वह राज्य में कट्टरपंथी तत्वों को बढ़ावा दे रही है। रैली के दौरान एक बच्चे का प्रधानमंत्री का स्केच हाथ में उठाए लंबे समय तक खड़े रहना भी चर्चा का विषय बना। मंच से मोदी का मानवीय संवाद इस दौरे की सहज तस्वीर पेश करता दिखा।

तमिलनाडु में प्रधानमंत्री का रुख अधिक आक्रामक रहा। एनडीए की रैली में उन्होंने सत्तारुढ़ द्रविड मुनेत्र कझगम यानि द्रमुक पर परिवारवाद, भ्रष्टाचार, महिला अपमान और तमिल संस्कृति को कमजोर करने के आरोप लगाए। मोदी ने कहा कि सत्ता की यह राह राज्य के मूल्यों और विकास को नुकसान पहुंचा रही है। इसके उलट एनडीए को उन्होंने ईमानदारी, महिला सम्मान और सांस्कृतिक गौरव पर आधारित विकल्प बताया।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में तमिलनाडु की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत का विस्तार से उल्लेख किया। संगम साहित्य, प्राचीन वैज्ञानिक परंपराएं, भव्य मंदिर और आधुनिक तकनीकी योगदान को उन्होंने भारत की सभ्यता की रीढ़ बताया।

सुरक्षाबलों का बड़ा एक्शन, पाकिस्तानी आतंकी उस्मान M4 राइफल के साथ ढेर

जम्मू-कश्मीर

शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) से जुड़ा एक पाकिस्तानी आतंकवादी मारा गया। जम्मू रेंज के पुलिस महानिरीक्षक भीम सेन तुती ने बताया कि मुठभेड़ बिलावर इलाके में हुई, जहां सुरक्षा बलों ने आतंकवादी को मार गिराने के लिए संयुक्त अभियान चलाया था। जम्मू पुलिस ने पर पोस्ट किया, "बिलावर इलाके में सेना

और सीआरपीएफ के साथ संयुक्त अभियान में जम्मू-कश्मीर पुलिस की एक छोटी टीम ने जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े एक पाकिस्तानी आतंकवादी को मार गिराया है।" अधिकारियों ने पुष्टि की कि मारे गए आतंकवादी की पहचान जैश-ए-मोहम्मद के कमांडर उस्मान के रूप में हुई है। उन्होंने यह भी बताया कि उसके पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है, जिसमें एक एम4 स्वचालित राइफल भी शामिल है। इससे पहले, सुरक्षा बलों ने कठुआ में आतंकवादियों के तीन ठिकानों का पता लगाया। बिलवार में चलाए गए अभियानों में आतंकवादियों के साथ दो मुठभेड़ भी हुईं, जो अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे।

'बिहार में बहुत बड़ा मौका', कांग्रेस की बैठक में राहुल गांधी के बयान से हलचल तेज

बिहार

बिहार कांग्रेस के भीतर मची अंदरूनी कलह को लेकर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर शुक्रवार (23 जनवरी 2026) को बैठक हुई. पटना में कांग्रेस के पार्टी कार्यालय सदाकत आश्रम में आयोजित दही-चूड़ा भोज में पार्टी के एक भी विधायक नहीं पहुंचे थे, जिसके बाद अलग-अलग राजनीतिक कयास लगाए जाने लगे. इसी सियासी हलचल को रोकने के लिए दिल्ली में बैठक हुई, जिसमें लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी मौजूद थे.

बिहार में बहुत बड़ा मौकाः राहुल गांधी

सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि बिहार में बहुत बड़ा मौका है और वहां सबको एक साथ मिलकर पार्टी को मजबूत करना है. उन्होंने कहा, 'कांग्रेस के स्पेस को बढ़ाना है. हमें पार्टी को नकारात्मक राजनीति से बचाना है. जल्द ही कोऑर्डिनेशन कमिटी बनाई जाएगी.' बैठक में एक सांसद ने कहा कि बिहार में अगड़ों को साथ लेकर चलना चाहिए.

आरजेडी से अलग हो कांग्रेसः पप्पू यादव

बैठक में राहुल गांधी ने कहा, 'बिहार कांग्रेस के नेताओं को जिम्मेदारी लेनी होगी. उन्हें जमीन उतरना होगा और मेहनत करनी पड़ेगी. स्थानीय नेताओं को एक साथ काम करना होगा. जहां भी मेरी जरूरत पड़ेगी मैं वहां मौजूद रहूंगा. इस मीटिंग में निर्दलीय सांसद पप्पू यादव भी शामिल थे.' उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस को सरकार में आना है तो बिहार में आरजेडी से अलग होकर चलना होगा.

जहां मेरी जरूरत होगी मैं हाजिर रहूंगाः राहुल गांधी

इस बैठक में तारिक अनवर ने कहा कि सिर्फ जिम्मेदारी लेने और पद लेने से काम नहीं होगा, बल्कि जमीन पर उतरकर मेहनत से काम करना होगा. कांग्रेस से राज्यसभा सांसद रंजीता रंजन ने कहा कि नेताओं की जवाबदेही तय हो. बिहार कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष मदन मोहन झा ने कहा, 'राज्य में नशा बहुत बड़ा मुद्दा है. कानून व्यवस्था बड़ा मुद्दा है. हॉस्टल्स में नशा परोसा जा रहा है।

उद्धव को छोड़ शिंदे के साथ जाएंगे राज ठाकरे?

महाराष्ट्र

महाराष्ट्र के उद्योग मंत्री और एकनाथ शिंदे गुट के नेता उदय सामंत ने बड़ा बयान दिया है. उन्होंने कहा कि राज ठाकरे शिंदे गुट की शिवसेना के साथ आ सकते हैं. सामंत ने कहा कि ठाकरे ब्रदर्स आज एकसाथ हैं लेकिन आगे साथ रहेंगे या नहीं, यह कहना मुश्किल है. उन्होंने ये भी कहा राजनीति में कोई किसी का हमेशा के लिए ना दोस्त होता है ना दुश्मन. भविष्य में राज ठाकरे हमारे साथ आ सकते हैं. क्यों नहीं आ सकते हैं, बिल्कुल आ सकते हैं.

महाराष्ट्र के उद्योग मंत्री उदय सामंत ने सीएम देवेंद्र फडणवीस के दावोस दौरे का भी जिक्र किया. उन्होंने कहा, "राज्य सरकार का हालिया दावोस दौरा बेहद सफल रहा है. इस दौरान महाराष्ट्र ने 51 समझौता ज्ञापनों पर

हस्ताक्षर किए, जिनकी कुल निवेश राशि 16.81 लाख करोड़ रुपये है." सामंत के अनुसार अब तक महाराष्ट्र द्वारा कुल 37 लाख करोड़ रुपये के टङ्गव साइन किए जा चुके हैं.

40 से 42 लाख युवाओं को रोजगार मिलने की संभावना- सामंत

उन्होंने बताया कि इन टङ्गव के जरिए राज्य के 40 से 42 लाख युवाओं को रोजगार मिलने की संभावना है. वहीं, पिछले वर्ष दावोस में हुए निवेश समझौतों से अब तक 5.58 लाख लोगों को रोजगार मिल चुका है और करीब 70 प्रतिशत टङ्गव पर काम शुरू हो चुका है.

तुरंत नतीजों की उम्मीद करना गलत- उदय सामंत

आलोचनाओं पर जवाब देते हुए उदय सामंत ने कहा, "जो लोग यह सवाल उठा रहे हैं कि पिछले साल के 15 लाख करोड़ रुपये के टङ्गव कहां गए, उन्हें रत्नागिरी और संभाजीनगर जैसे इलाकों में जाकर जमीनी स्तर पर चल रही परियोजनाओं को देखना चाहिए. उद्योगों को पूरी तरह चालू होने में चार से पांच साल लगते हैं, इसलिए तुरंत नतीजों की उम्मीद करना गलत है।

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने त्रिपुरा में किया 8 परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास

अगरतला ,

त्रिपुरा/गुवाहाटी/दिल्ली। केंद्रीय पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री व संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज शुक्रवार को त्रिपुरा में कुल ?365 करोड़ की लागत वाली 8 महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं के माध्यम से राज्य में सड़क कनेक्टिविटी, पर्यटन, ऊर्जा और जनजातीय क्षेत्रों के समग्र विकास को नई गति मिलेगी।

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ह्यअष्टलक्ष्मीह्ण विजन के अंतर्गत पूर्वोत्तर भारत अब केवल भौगोलिक सीमांत नहीं, बल्कि भारत के विकास इंजन की भूमिका निभा रहा है।

?270 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण, कनेक्टिविटी और पर्यटन को मिलेगा नया आयामः सिंधिया

केंद्रीय मंत्री ने ?270 करोड़ की लागत से पूर्ण हुई 5 परियोजनाओं का लोकार्पण किया। इनमें प्रमुख रूप से जतनबाड़ीझमंदिरघाट वाया तीर्थमुख मार्ग (13.775 किमी), एरारपार से अंबासा तक केए रोड का उन्नयन (28.90 किमी) का कार्य शामिल है।

इन सड़कों के निर्माण से गाँवों, बाजारों, स्कूलों और अस्पतालों के बीच आवागमन सरल होगा तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

गणतंत्र दिवसपर ड्रोन और पैराग्लाइडर से हमले का अलर्ट

नई दिल्ली

आगामी गणतंत्र दिवस से पहले, सुरक्षा एजेंसियों ने सीमावर्ती क्षेत्रों में एक और उच्च स्तरीय अलर्ट जारी किया है। सूचना के अनुसार, चेतावनी में संवेदनशील क्षेत्रों की कड़ी निगरानी और संभावित खतरों से निपटने के लिए सतर्कता बढ़ाने पर जोर दिया गया है। सुरक्षा अधिकारियों को सीमा पर ड्रोन गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। खुफिया एजेंसियों को संदेह है कि ड्रोन का उपयोग करके भारतीय क्षेत्र में हथियारों और विस्फोटकों की तस्करी की जा सकती है। यह अलर्ट विशेष रूप से पंजाब, जम्मू और कश्मीर और राजस्थान की सीमाओं पर केंद्रित है, जहां अतीत में संदिग्ध हवाई गतिविधियों की सूचना मिली है।

आतंकवादी समूह पैराग्लाइडर और हैंग ग्लाइडर का उपयोग कर सकते हैं। खुफिया जानकारी के अनुसार, आतंकवादी संगठन न केवल ड्रोन के माध्यम से बल्कि पैराग्लाइडर और हैंग ग्लाइडर का उपयोग करके भी घुसपैठ का प्रयास कर सकते हैं।

जानकारी से संकेत मिलता है कि लश्कर-ए-तैबा और कुछ सिख चरमपंथी संगठनों ने हाल ही में पैराग्लाइडिंग उपकरण और संबंधित उपकरण प्राप्त किए हैं। इसके जवाब में, सुरक्षा बलों को पूरी तरह सतर्क रहने का निर्देश दिया गया है। हवाई निगरानी तेज कर दी गई है ।

'ऑपरेशन सिंदूर' की झांकी से दहलेगा पाकिस्तान

दुनिया देखेगी भारत का शौर्य

नई दिल्ली

पहलगाम आतंकी हमले के बाद, भारतीय सशस्त्र बल संयुक्तता से विजय के नारे के साथ ऑपरेशन सिंदूर पर आधारित एक झांकी प्रदर्शित करेंगे, जिसमें पाकिस्तान के आतंकी ढांचे के खिलाफ सैन्य अभियान में भारत की सफलता और तीनों सेनाओं के समन्वय को दशार्या जाएगा। एएनआई से बात करते हुए, वायु सेना प्रमुख मनीष सभरवाल ने झांकी के डिजाइन के बारे में बताया, जिसमें पाकिस्तान के आतंकी अड्डे के विनाश और अभियान के दौरान इस्तेमाल किए गए हथियारों को दशार्या गया है।

वायु सेना प्रमुख मनीष सभरवाल ने एएनआई को बताया कि हमने बीच में एक सीमा रेखा खींची है, जिसमें दाईं ओर भारत और पश्चिम में पाकिस्तान को दशार्या गया है। जैसा कि आप जानते हैं, पहली ही रात को हमने नौ आतंकी शिविरों को नष्ट कर दिया था, जिसमें सेना और वायु सेना ने संयुक्त अभियान चलाए थे। इनमें से सात शिविर सेना ने और दो वायु सेना ने नष्ट किए थे, और विनाश में इस्तेमाल किए गए हथियारों को यहां दशार्या गया है।

उन्होंने आगे कहा कि उदाहरण के लिए, हॉवित्जर तोप का इस्तेमाल किया गया, सेना और वायुसेना द्वारा युद्ध में इस्तेमाल किए जाने वाले कामिकेज ड्रोन का प्रयोग किया गया, हमने राफेल और अन्य

प्लेटफार्मों से भी हथियारों का इस्तेमाल किया। तो यह सब प्रदर्शित किया गया है। इस झांकी के केंद्र में हमले की कहानी सामने आती है, जो भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सिद्धांत के नए सामान्य स्वरूप को दशार्ती है - त्वरित प्रतिक्रिया, नियंत्रित वृद्धि और अचूक सटीकता। एक ऌअफ्ढ लोइटरिंग मुनिशन दुश्मन के वायु रक्षा रडार को नष्ट कर देता है, जो मानवरहित सटीक युद्ध में भारत की बढ़ती बढ़त को प्रदर्शित करता है। इसके बाद रउअछढ मिसाइलों से लैस एक राफेल विमान आतंकी ढांचे पर सर्जिकल स्ट्राइक करता है। गति तब और तेज हो जाती है जब रव-30 टङक ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल दागकर मजबूत विमान आश्रयों को नष्ट कर देता है, जो भारत की गहरी, तेज और त्रुटिहीन हमले करने की क्षमता का स्पष्ट प्रदर्शन है।

भारत के एकीकृत हवाई रक्षा नेटवर्क की विस्तारित पहुंच के साथ यह अभियान अपने चरम पर पहुंचता है। एस-400 प्रणाली, 350 किलोमीटर की दूरी पर अभियान के दौरान सबसे लंबी दूरी की कार्रवाई करते हुए, दुश्मन के हवाई पूर्व चेतावनी मंच को निष्क्रिय कर देती है, जिससे एक स्पष्ट संदेश जाता हैः भारत सबसे पहले पता लगाता है, सबसे पहले निर्णय लेता है और सबसे पहले नष्ट करता है।

पिकअप वाहन पलटी उसमें सवार 23 लोग हुए घायल

मध्य प्रदेश के मऊगंज से अस्थि कलश लेकर जा रहे थे प्रयागराज कोरांव में हुआ हादसा

अखंड भारत संदेश

कोरांव। कोरांव थाना क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर एक पिकअप वाहन पलटने से 23 लोग घायल हो गए। उक्त यह हादसा कोरांव-ड्रमंडगंज मार्ग पर मिश्रपुर गांव के पास हुआ। पिकअप वाहन शुक्रवार को दोपहर 2 बजे अस्थि कलश लेकर प्रयागराज जा रहा था।

हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने चीख-पुकार सुनकर घायलों को बाहर निकालने में मदद की। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। तीन एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) कोरांव ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल 11 लोगों को प्रयागराज के जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

बताया गया कि मध्य प्रदेश के मऊगंज जनपद के मलेगवा गांव निवासी लालमणि प्रजापति के 12 वर्षीय पुत्र रामानंद की कुछ दिन पहले सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। परिवारजन उनके अस्थि कलश को विसर्जन के लिए प्रयागराज ले जा रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। इस घटना से परिवार में पहले से व्याप्त शोक का माहौल और गहरा गया। हादसे में गंभीर रूप से घायल होने वालों में 30 वर्षीय नाथू प्रजापति, 40 वर्षीय उमेश प्रजापति, 50 वर्षीय लल्लू सेन, 55 वर्षीय तीरथ प्रजापति, 43 वर्षीय अशोक प्रजापति, 40 वर्षीय लालमन प्रजापति, 50 वर्षीय कृष्ण कुमार, 52 वर्षीय शिवलाल, 10 वर्षीय शिवानंद, 60 वर्षीय नंदलाल, 31 वर्षीय अरविंद सिंह और 40 वर्षीय सुरेश प्रजापति शामिल हैं। अन्य घायलों का इलाज सीएचसी कोरांव में जारी है। ग्रामीणों की मदद से पलटी हुई पिकअप को सीधा कर पुलिस थाने ले आई है।

स्वामी विवेकानन्द विद्याश्रम स्कूल में सरस्वती पूजन के अवसर पर विद्यारंभ संस्कार एवं का भव्य आयोजन

अखंड भारत संदेश

थरवई। विद्या की देवी मां सरस्वती के प्राकट्य उत्सव बसंत पंचमी के पावन अवसर पर स्वामी विवेकानन्द विद्याश्रम सीनियर सेकेंडरी स्कूल थरवई में 'विद्यारंभ संस्कार और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया साथ ही नेताजी सुभाष चन्द्र बोस को भी याद किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ विधि-विधान से पूजन और हवन के साथ हुआ। विद्यालय के प्रधानाचार्य दिनेश कुमार पाण्डेय ने सभी आचार्या भगिनी एवं आचार्य बंधुओं के साथ, नन्हे मुन्हें भैया बहिनों ने अपने अभिभावकों के साथ यज्ञ में आहुतियां दीं। मंत्रोच्चारण के बीच नन्हे बच्चों की जिह्वा पर ॐ लिखकर एवं उनकी पट्टिका पर लेखन की प्रारंभ करके उनके औपचारिक शिक्षण (विद्यारंभ) की शुरूआत की गई। प्रधानाचार्य दिनेश कुमार पाण्डेय ने विद्यारंभ समारोह के महत्व को उजागर करते हुए देश की आजादी में नेताजी के योगदान का वर्णन किया तथा आए हुए सभी अतिथि, अभिभावक एवं पत्रकार बंधुओं के प्रति आभार ज्ञापित किया एवं उन्होंने अभिभावकों को विश्वास दिलाया कि विद्यालय न केवल शैक्षणिक योग्यता बल्कि नैतिक संस्कारों के सिंचन के लिए भी प्रतिबद्ध है। अंत में सभी को प्रसाद वितरण किया गया। इस गरिमामयी समारोह में सभी शिक्षक, अभिभावक और नगर के अन्य गणमान्य नागरिकों की गरिमामय उपस्थिति रही।

न्यूज झरोखा

कांग्रेसियों ने चौपाल कार्यक्रम में नेताजी सुभाष चंद्र बोस को किया नमन

सहसों। कांग्रेस पार्टी गंगापार के कार्यकताओं द्वारा चंदौहां में शुक्रवार को भारत के स्वतंत्रता सेनानियों में विशेष स्थान रखने वाले नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती शौर्य दिवस के रूप में मनाया। इस अवसर पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया गया। तत्पश्चात आयोजित मनरेगा बचाओ संग्राम चौपाल कार्यक्रम में कांग्रेस गंगापार जिला अध्यक्ष अशफाक अहमद ने नेताजी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उनके योगदान को देश के लिए अति महत्वपूर्ण बताया नेताजी सुभाष चंद्र बोस अग्रिम पंक्ति के नेताओं में अपना महत्वपूर्ण स्थान रखते थे। उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय सेना का निर्माण किया था। जिसे हम आजाद हिंद फौज के नाम से जानते हैं, उनके विचार हमारे लिए अनुकरणीय है। इस अवसर पर विधानसभा प्रभारी देवराज उपाध्याय ने कहा कि 23 जनवरी 1897 को नेताजी सुभाष चंद्र बोस का जन्म हुआ था। जिसे पराक्रम वीरता स्वतंत्रता समर्पण के रूप में जाना जाता है। उनके आदर्श उनकी शिक्षाएं और योगदान हम सबके लिए ग्रहणीय है और प्रेरणा स्त्रोत भी। कार्यक्रम का संचालन रितेश पासी ने किया। इस अवसर पर जिला महासचिव सुनील पाण्डेय, चिकित्सा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ अमर सिंह पटेल, सद्दाम हुसैन सिद्दीकी, हृदयानंद यादव, मो.सफीक, श्याम धुरिया, आकाश कुमार, विवेक पासी, आदित्य कुमार, फोटो देवी, सीता देवी, गीता देवी, उर्मिला देवी, सोनी, ज्योति, रीमा, आरती, प्रीति आदि पार्टी कार्यकर्ता एवं ग्रामीण महिलाएं उपस्थित रहे।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर सहसों में गोष्ठी, श्रद्धा सुमन अर्पित कर किया नमन

सहसों। भारत के स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी सेनानी एवं महान राष्ट्रनायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर शुक्रवार को सहसों में एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने नेताजी को श्रद्धा सुमन अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि देते नमन किया और उनके विचारों को स्मरण किया। गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए चंद्रधर द्विवेदी ने कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अंग्रेजों के विरुद्ध सशस्त्र संघर्ष के लिए नेताजी ने जापान के सहयोग से आजाद हिंद फौज का गठन किया। उनके द्वारा दिया गया नारा ह्लजय हिंदह्व और ह्लतुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगाह्व आज भी देशवासियों को राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस न केवल एक कुशल सैन्य रणनीतिकार थे, बल्कि भारतीय राजनीति में भी एक निपुण एवं दूरदर्शी नेता के रूप में उनकी विशेष पहचान थी। इसी कारण देशवासियों ने उन्हें सम्मानपूर्वक ह्लनेताजीह्व की उपाधि दी। वक्ताओं ने यह भी बताया कि नेताजी को आजाद भारत का प्रथम प्रधानमंत्री माना जाता है। किंतु यह देश का दुर्भाग्य है कि आज भी उनकी मृत्यु रहस्य बनी हुई है। गोष्ठी में प्रमुख रूप से कृष्णकांत पुरी, सूर्यकांत त्रिपाठी, राजेंद्र यादव पप्पू, शिवधारी पाल, बबलू शुक्ला, मनोज सिंह, अनुज कुमार मिश्रा, देवेंद्र कुमार मिश्रा, सोहनलाल केसरवानी, हेमराज मिश्रा सहित आदि लोग उपस्थित रहे।

महाराजा सुहैलदेव पासी जन्मोत्सव कार्यक्रम समापन

सोरांव। वसंत पंचमी के अवसर पर महाराजा सुहैलदेव पासी का जन्मोत्सव पासी परिवार सुपर फिफ्टी टीम द्वारा शिवगढ़ पैलेस में भव्य तरीके से मनाया गया। जिसमें ब्लॉक प्रमुख सोरांव प्रदीप पासी, विनोद सरोज,अमित शास्त्री आदि के द्वारा संयुक्त रूप से सुहैलदेव पासी की एक भव्य शोभायात्रा निकाली गई। तथा सुहेलदेव पासी के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नरेंद्र पासी तथा संचालन मनोज इलाहाबादी ने किया। मौके पर राजेश कुशवाहा, मनोज पासी (पूर्व पार्षद) प्रमोद पासी, आलोक रंजन, अखिलेश पासी, सुरेंद्र फौजी, मानसिंह सरोज, शशिकांत पासी, अरविंद सरोज, राम मिलन, सुनील सिंह, सत्य प्रकाश, राजेंद्र सिंह आदि सैकड़ो लोग रहे।
फोटो। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों की सम्मोहित फोटो

बसंत पंचमी पर केसरवानी बाल विद्या मंदिर में मां सरस्वती की पूजा-अर्चना

कोरांव। प्रयागराज के कोरांव स्थित केसरवानी बाल विद्या मंदिर में 23 जनवरी 2026 को बसंत पंचमी के अवसर पर ज्ञान की देवी मां सरस्वती की पूजा-अर्चना की गई। इस कार्यक्रम में विद्यालय के समस्त छात्रों और शिक्षकों ने भाग लिया। पूजा का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री मंगला प्रसाद केशरी ने पंचोपचार पूजन संपन्न कराया, जिसमें आचार्या सुश्री पूजा मिश्रा ने विशेष सहयोग दिया। कार्यक्रम का संचालन आचार्य श्री विद्याधर शर्मा ने किया। मंत्रोच्चारण आचार्या सुश्री सोनम शर्मा तथा छात्राओं दिव्या स्वर्णकार, लक्ष्मी सिंह और मासूम केशरी द्वारा किया गया। सरस्वती पूजन के साथ ही देश के महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस को भी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उनके जीवन वृत्त को याद किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्रों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में आचायाओं सुश्री शबनम बानो, सुश्री पायल केशरी और सुश्री नीलम ने विशेष सहयोग दिया।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर पराक्रम दिवस के रूप में किया गया स्मरण

प्रयागराज। भारतीय स्वाधीनता संग्राम के महानायक और आजाद हिन्द फौज के नेतृत्वकर्ता नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर पराक्रम दिवस के रूप में श्रद्धापूर्वक स्मरण किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने नेताजी के राष्ट्रभक्ति, अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प को याद करते हुए कहा कि उनका जीवन भारत के पराक्रम और प्रेरणा का प्रतीक है। उन्होंने अपने संघर्ष और नेतृत्व से स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा और ऊर्जा प्रदान की। कार्यक्रम में अंगद पटेल ने कहा कि नेताजी का ओजस्वी व्यक्तित्व आज भी देशवासियों को निःस्वार्थ भाव से राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करता है। पराक्रम दिवस के अवसर पर सभी देशवासियों को बधाई दी गई। कार्यक्रम में अंगद सिंह पटेल, घनश्याम मौर्य, सुरेंद्र साहू, राम लखन विश्वकर्मा, अजय कुमार, आदर्श कुमार, दिनेश सिंह पटेल, मंजय श्रीवास्तव सहित अन्य वरिष्ठ जन उपस्थित रहे।

शंकरगढ़ क्षेत्र में बसंत पंचमी पर शैक्षणिक संस्थानों में गूंजा सरस्वती वंदन, श्रद्धा व उल्लास का माहौल

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़। नगर पंचायत शंकरगढ़ एवं आसपास के क्षेत्रों में स्थित प्रमुख शिक्षण संस्थानों कैम्ब्रिज हाईस्कूल एण्ड कॉलेज, एन.एस.के. इंटर कॉलेज, जेनिथ मॉडल स्कूल रानीगंज, सेंट जोसेफ स्कूल शंकरगढ़, एसबीएस एकेडमी लाइनपार और चंद्रशेखर इंस्टीट्यूट शिक्षक नगर में बसंत पंचमी का पर्व श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं विद्यार्थियों ने ज्ञान की देवी मां सरस्वती की विधिवत पूजा-अर्चना कर पुष्प अर्पित किए और विद्या, विवेक एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कैम्ब्रिज हाईस्कूल एण्ड कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विद्यालय के प्रबंधक संतोष त्रिपाठी ने बसंत पंचमी के पौराणिक एवं सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि माघ माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मां सरस्वती का प्राकट्य हुआ था। यह पर्व वसंत ऋतु के आगमन का प्रतीक है, जिसे ऋतुओं का राजा कहा जाता है। इस ऋतु में प्रकृति नवजीवन से भर उठती है, धरती की उर्वरा शक्ति बढ़ती है और चारों ओर हरियाली व फूलों की छटा दिखाई देती है।विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक मनी शंकर दुबे ने छात्र जीवन में बसंत पंचमी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह शिक्षा प्राप्ति का सबसे अनुकूल समय है और छात्रों को पूरे मनोयोग से अध्ययन करना चाहिए। कार्यक्रम में शिक्षक पंकज श्रीवास्तव द्वारा विद्यार्थियों को प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर रीतू सुसारी, सिम्मी गुप्ता, प्रीती सेन, पूनम द्विवेदी, अंजू गुप्ता, कोमल त्रिपाठी, विनीत शुक्ला सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

इसी तरह एन.एस.के. इंटर कॉलेज शंकरगढ़ में भी बसंत पंचमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर कॉलेज के प्रबंधक संतोष त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को मां सरस्वती के पौराणिक महत्व से अवगत कराते हुए ज्ञान, अनुशासन और संस्कारों के मार्ग पर चलने का संदेश दिया।पूजन कार्यक्रम में प्रधानाचार्य प्रताप बहादुर सिंह सहित शिक्षक विजय शंकर मिश्रा, ज्ञानेंद्र मिश्रा, अशोक त्रिपाठी, उत्तम सिंह बघेल, दीपक विश्वकर्मा, राजेश सिंह, संदीप सिंह, कमलाकर सिंह, पुष्पराज सिंह, एल.एन. वर्मा, रोहित सिंह, शिवेंद्र सिंह, कामिनी सिंह, अनीता सिंह, अर्चना सिंह, प्रतिमा सिंह, माया सिंह, सोनाली पांडे, हीरा पांडे सहित समस्त शिक्षक, शिक्षिकाएं एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त जेनिथ मॉडल स्कूल रानीगंज, सेंट जोसेफ स्कूल शंकरगढ़ एवं एसबीएस एकेडमी लाइनपार में भी बसंत पंचमी का आयोजन श्रद्धा और विधिविधान के साथ किया गया, जहां विद्यार्थियों ने मां सरस्वती की पूजा कर शिक्षा, सफलता और सद्बुद्धि की कामना की।

स्व0 राजपति सिंह स्मारक सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय में विद्यारंभ संस्कार व सरस्वती पूजन कार्यक्रम आयोजित

अखंड भारत संदेश

पसना। प्रयागराज के कोरांव क्षेत्र स्थित पसना में स्व. राजपति सिंह स्मारक सरस्वती शिशु मंदिर के परिसर में 23 जनवरी को बसंत पंचमी के अवसर पर विद्यारंभ संस्कार और ज्ञान की देवी माँ सरस्वती का पूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। प्रातःकाल विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ माँ सरस्वती की प्रतिमा का पूजन-अर्चन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और पुष्पार्पण से हुआ। इस अवसर पर भैय्या बहनों एवं आचार्यों ने सामूहिक रूप से सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। भैय्या बहनों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी दी गईं, जिनमें ज्ञान, संस्कृति और सद्भाव का संदेश निहित था।

विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रभाकर सिंह ने अपने उद्बोधन में शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने भैय्या बहनों से अनुशासन, परिश्रम और नैतिक मूल्यों को अपनाने का आह्वान किया।

विद्यालय के निदेशक अवधराज सिंह ने भैय्या बहनों को संबोधित करते हुए कहा कि ₹आज बसंत पंचमी के इस शुभ अवसर पर हमें अपनी पारंपरिक संस्कृति को आगे बढ़ाते हुए, ज्ञान की देवी माँ सरस्वती के ज्ञान, विद्या और संस्कारों को आगे बढ़ाने का संदेश दिया।

कार्यक्रम में विद्यालय समिति के प्रबंधक अशोक सिंह, अध्यक्ष रामलाल सिंह और संरक्षक जितेंद्र प्रताप सिंह उपस्थित रहे। इस आयोजन से भैय्या बहनों में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास की भावना जागृत हुई। विद्यालय के समस्त आचार्यगण और कर्मचारीगण भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। अंत में प्रसाद वितरण किया गया।

नैनी एडीए शनि मन्दिर के पास भव्य भंडारे का आयोजन हुआ

नैनी। नैनी क्षेत्र के एडीए कॉलोनी में शनि मन्दिर के पास बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमे आने जाने वाले हजारो श्रदालुओं को भंडारे का प्रसाद वितरण किया गया। वही हजारो की संख्या मे श्रदालुओं ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। वही सुनील जयसवाल बताते हैं हम लोग हर साल भंडारा करवाते हैं। इस मौके पर सुनील जायसवाल, दीपक माली आदि लोग उपस्थित रहे।

आरडी मेमोरियल इंटरमीडिएट कॉलेज जंघई में युवा कार्यक्रम

जंघई। आरडी मेमोरियल इंटरमीडिएट कॉलेज जंघई में युवा कार्यक्रम स्वामी विवेकानंद के जीवन परिचय में डॉ राजनारायण पूर्व सदस्य उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग का संबोधन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत में बसंत पंचमी के अवसर पर मां सरस्वती की पूजा एवं स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण के बाद उद्बोधन में आधुनिक भारत के युवाओं को शक्तिशाली बनाने के लिए विवेकानंद के शिकागो सम्मेलन एवं भारत माता के प्रेम में अपनी जन्मभूमि की मिट्टी का स्पर्श कर उन्होंने राष्ट्र प्रेम को दशार्या जिसमें संचालक रमेश तिवारी, खंड कार्यवाह, प्रतापपुर समापन आशीर्वचन के रूप में संघचालक हृदय नारायण मिश्रा, आरडी मेमोरियल स्कूल के प्रधानाचार्य राकेश दुबे, राजू सिंह, आशीष, संदीप तोगड़िया, शैलेश, किशन, सुरेंद्र शर्मा, विक्की जायसवाल, रामधारी सरोज, आशीष मिश्रा आदि लोग मौजूद रहे।

भोगीपुर में बसंत पंचमी त्योहार मनाया गया

जंघई। समाजसेवी दिनेश लाल चन्द्र उमरवैश्य के नेतृत्व में जन कल्याण सेवा संघ के कार्यकताओं के सहयोग से भोगीपुर चौरा माता मंदिर प्रांगण में वसंत पंचमी का उत्सव मनाया गया जिसमें सैकड़ों विद्यार्थियों को पुस्तिका, कलम इत्यादि सामग्री वितरित की गई। यह कार्यक्रम विगत 9 वर्षों से अनवरत होता आ रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कथावाचक अशोकानंद शास्त्री रहे, संचालन शैलेश पाठक ने किया। इस अवसर पर कथावाचक द्वय संदीप शास्त्री, अभिनवानंद शास्त्री, विजय मिश्रा, प्रवीण तिवारी, किशन पाठक, शैलेष पाठक, सचिन तिवारी, प्रत्युष तिवारी, सुलभ तिवारी, अशोक तिवारी शंकरलाल उमर, गुलाबचंद्र आदि लोग उपस्थित रहे।

बसंत पंचमी पर सेवा और श्रद्धा का संगम अरैल में भव्य भंडारे का आयोजन

प्रयागराज। ज्ञान, विद्या और वसंत ऋतु के आगमन का प्रतीक पर्व बसंत पंचमी के पावन अवसर पर शुक्रवार को अरैल सेक्टर-7 स्थित निषादराज लोवर मार्ग पर सामाजिक समर्पण और सेवा भाव का सुंदर उदाहरण देखने को मिला। ग्रामीण जागृति शिक्षा समिति, कौंधियारा के कार्यालय परिसर में भव्य भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें संगम स्नान को पहुंचे श्रद्धालुओं के साथ-साथ बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

श्रद्धा, सेवा और सामाजिक दायित्व की भावना से आयोजित इस कार्यक्रम में दिनभर श्रद्धालुओं का आवागमन बना रहा। भंडारे के माध्यम से समिति ने समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन किया, जिसकी उपस्थित श्रद्धालुओं और नागरिकों ने भूरी-भूरी प्रशंसा की। आयोजन स्थल पर व्यवस्था सुव्यवस्थित रही तथा स्वयंसेवकों द्वारा अनुशासित ढंग से सेवा की गई।

कार्यक्रम में नागेंद्र प्रसाद पाण्डेय, शिवानन्द पाण्डेय, पीयूष मिश्र, अमित शुक्ल, पीके त्रिपाठी, सीपी पटेल, सुशील सिंह, सुनील गिरी, आशीष शुक्ल, अखिलेश शुक्ल सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। आयोजक नागेंद्र पाण्डेय ने बताया कि ग्रामीण जागृति शिक्षा समिति भविष्य में भी धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक अवसरों पर इसी प्रकार के सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखेगी, जिससे समाज में सहयोग, सद्भाव और सेवा भावना को और अधिक मजबूती मिल सके।

माघ मेले में श्रद्धालु का ई-रिक्शा चोरी

झूंसी। माघ मेले में आए एक श्रद्धालु को चोरों ने गहरा जख्म दिया है। प्रतापगढ़ के जेठवारा निवासी दीपक शुक्ला गुरुवार को परिवार सहित गंगा स्नान के लिए संगम आए थे। उन्होंने अपना ई-रिक्शा कल्पवासी थाना क्षेत्र के पुल नंबर तीन के पास खड़ा किया था। जब वे कुछ घंटों बाद वापस लौटे, तो रिक्शा गायब था। हैरानी की बात यह है कि पीड़ित जब शिकायत लेकर कल्पवासी थाने पहुंचा, तो उसे झूंसी भेज दिया गया। झूंसी पुलिस ने उसे पुनः कल्पवासी थाने जाने की सलाह दी। पुलिस की इस हीलाहवाली के कारण पीड़ित थाने-थाने के चक्कर काटने को मजबूर है। रोजी-रोटी का एकमात्र साधन छिन जाने से पीड़ित परिवार बेहद परेशान है।

बसंत पंचमी पर विमल दुबे फाउंडेशन द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन

जंघई। वरिष्ठ समाजसेवी विमलधर दुबे द्वारा विमल दुबे फाउंडेशन के तत्वाधान में गंगा कल्पवास आश्रम सेक्टर नंबर 5 तुलसी चौराहा, गंगोली शिवाला मार्ग माघ मेला, प्रयागराज में 14 जनवरी से 1 फरवरी तक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है। इसी क्रम में शुक्रवार को बसंत पंचमी के अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें हजारों उपस्थित साधु संतों, गुरुओं, निराश्रितों, दीन दुखियों एवं स्नानार्थियों, आगंतुकों, दुकानदारों ने प्रसाद ग्रहण किया। यह भंडारा सुबह, दोपहर, शाम चल रहा है। सुबह चाय, दोपहर नाश्ता एवं शाम को भोजन प्रसाद वितरण किया जा रहा है। संजय दुबे, राकेश धर दुबे, हरिश्चंद्र दुबे द्वारा यह सेवा अनवरत चलाई जा रही है। गंगा कल्पवास आश्रम के संचालक गुड्डू शास्त्री एवं अन्य संतों ने इस साहसिक एवं सराहनीय समाजसेवा हेतु विमलधर दुबे की सराहना किया है। अविनाश मिश्रा शुभ, भानू, नन्हे सहित तमाम लोग प्रसाद वितरण के समय मौजूद रहते हैं।

संगम तट पर श्रद्धा का सैलाब, बसंत पंचमी स्नान बना ऐतिहासिक

आस्था की डुबकी : करीब 3 करोड़ 56 लाख श्रद्धालुओं ने तोड़ा दशकों का रिकॉर्ड

वाटर वूमेन शिप्रा पठक ने संगम में लगाई डुबकी

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। माघ मेला 2026 के चतुर्थ स्नान पर्व बसंत पंचमी पर आस्था का अभूतपूर्व दृश्य देखने को मिला। विद्या, ज्ञान और नवचेतना के प्रतीक इस पावन अवसर पर करीब 3 करोड़ 56 लाख श्रद्धालुओं ने संगम में आस्था की डुबकी लगाई। बसंत पंचमी स्नान पर श्रद्धालुओं की संख्या ने दशकों का पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया।

शास्त्रों में बसंत पंचमी स्नान का विशेष महत्व बताया गया है। माघ मेला के दौरान यह स्नान अत्यंत फलदायी माना जाता है। इसी धार्मिक मान्यता के चलते देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु प्रयागराज पहुंचे और पूरे उत्साह के साथ स्नान एवं पूजन किया।श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को देखते हुए सरकार एवं प्रशासन द्वारा व्यापक और सुदृढ़ व्यवस्थाएं की गई थीं। मेला क्षेत्र में प्रशासनिक और पुलिस व्यवस्था पूरी तरह मुस्तैद रही। वरिष्ठ अधिकारी लगातार भ्रमणशील रहकर संपूर्ण मेला क्षेत्र की निगरानी करते रहे।

इस दौरान अपर पुलिस महानिदेशक ज्योति नारायण, पुलिस महानिरीक्षक अजय मिश्र, मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल, पुलिस कमिश्नर प्रयागराज जोगेन्द्र कुमार, अपर पुलिस आयुक्त डॉ. अजयपाल शर्मा, जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, मेलाधिकारी ऋषिराज एवं मेला पुलिस अधीक्षक नीरज पांडेय ने व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए समय-समय पर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए, जिससे स्नान पर्व शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सका।

श्रद्धालुओं की सुगम आवाजाही के लिए उपलब्ध कराई गई रैपिडो बाइक सेवा का भी बड़े पैमाने पर उपयोग हुआ। बसंत पंचमी के दिन लगभग 13,500 से अधिक श्रद्धालुओं ने इस सेवा का लाभ लिया, जबकि माघ मेला के दौरान अब तक 2.70 लाख से अधिक श्रद्धालुओं को रैपिडो बाइक सेवा के माध्यम से सुरक्षित रूप से उनके गंतव्य तक पहुंचाया जा चुका है।कुल मिलाकर बसंत पंचमी का यह स्नान पर्व आस्था, अनुशासन और प्रशासनिक दक्षता का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर सामने आया, जिसने सनातन परंपराओं की जीवंतता को एक बार फिर प्रमाणित किया।

गिरिनार आश्रम शिविर में बसंत पंचमी पर भंडारे का आयोजन

माघ मेला में भैरव बाबा महाराज के सान्निध्य में श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

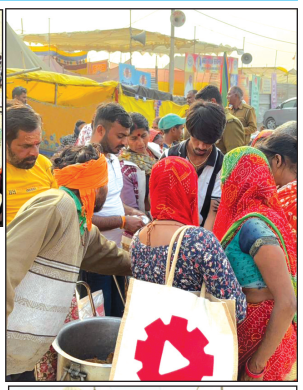

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। माघ मेला क्षेत्र स्थित गिरिनार आश्रम में बसंत पंचमी के पावन पर्व पर श्रद्धा और सेवा का अनुपम दृश्य देखने को मिला। गिरिनार बाबा के कृपापात्र शिष्य भैरव बाबा महाराज के कुशल निर्देशन और देखरेख में शुक्रवार को विशाल भंडारे का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं कल्पवासी आश्रम परिसर में पहुंचे और प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

आश्रम प्रशासन की ओर से जानकारी दी गई कि यह भंडारा एक दिन का न होकर पूरे एक माह तक निरंतर चलता है । भंडारे का आयोजन भक्त श्रीराम पुरवार के सौजन्य से किया जा रहा है, जिसमें प्रतिदिन माघ मेले में आने वाले श्रद्धालुओं, स्नानार्थियों और साधु-संतों के लिए प्रसाद की व्यवस्था की जाती है ।बसंत पंचमी के दिन संगम स्नान के बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालु गिरिनार आश्रम पहुंचे। श्रद्धालुओं ने भैरव बाबा महाराज का आशीर्वाद लिया और भंडारे में प्रेम और श्रद्धा के साथ प्रसाद ग्रहण किया। आश्रम परिसर में पूरे दिन भक्ति, सेवा और सनातन परंपरा की छटा बनी रही।

भैरव बाबा महाराज ने इस अवसर पर कहा कि भंडारा केवल भोजन का आयोजन नहीं, बल्कि सेवा और समर्पण का माध्यम है। उन्होंने कहा कि गुरु कृपा से मानव सेवा ही ईश्वर सेवा का सर्वोच्च मार्ग है और माघ मेले जैसे पावन अवसर पर श्रद्धालुओं की सेवा करने से आत्मिक शांति की प्राप्ति होती है।भंडारे के संचालन में आश्रम से जुड़े सेवक शालिक राम शुक्ला, लक्ष्मीकांत द्विवेदी, मनोज, दीपू, हिमांशु, निशांत, दुर्गांश,मालती देवी आदि भक्तों ने सक्रिय भूमिका निभाई। व्यवस्था को सुव्यवस्थित बनाए रखने के लिए सेवक मनोज ने मेले के शुरूआत से ही लगातार व्यवस्था को सुचारू रूप से बनाए रखने के लिए लगे रहे, जिससे किसी भी श्रद्धालु को असुविधा न हो। आश्रम प्रबंधन की ओर से साफ-सफाई और अनुशासन पर विशेष ध्यान दिया गया। बता दे कि बसंत पंचमी के अवसर पर गिरिनार आश्रम में आयोजित यह भंडारा श्रद्धा, सेवा और सनातन संस्कृति की जीवंत मिसाल बनकर सामने आया, जिसने माघ मेले की आध्यात्मिक गरिमा को और अधिक ऊंचाई प्रदान की है ।

मांडा में शव दफनाने को लेकर विवाद, ग्रामीणों ने रोका

मौके पर पहुंच एसीपी मेजा ने वन विभाग की भूमि के सीमांकन के लिए 72 घंटे मांगे, सैटलाइट द्वारा वनविभाग की भूमि का सीमांकन होगा तय

दूसरी बार शव दफनाने को लेकर मामला सुर्खियों दिन भर छाया रहा

अखंड भारत संदेश

मांडा (प्रयागराज)। मांडा क्षेत्र में एक शव को दफनाने को लेकर विवाद उत्पन्न हो गया है। ग्रामीणों ने वन विभाग की भूमि पर शव दफनाने का विरोध किया, जिसके बाद पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को हस्तक्षेप करना पड़ा। सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) मेजा ने मामले के निस्तारण के लिए 72 घंटे का समय दिया है। शव को वन विभाग की भूमि के सैटलाइट सीमांकन के बाद ही दफनाने की अनुमति दी जाएगी।

ग्रामीणों की सूचना पर मांडा इंस्पेक्टर ने संभाला मोर्चा

यह घटना शुक्रवार को सुबह से मांडा क्षेत्र के मांडवी देवी धाम से कुछ दूरी पर स्थित चफला चमरदहा में हुई। ग्रामीणों द्वारा शव दफनाने पर रोक लगाने के बाद मांडा इंस्पेक्टर अनिल कुमार वर्मा मौके पर पुलिस प्रशासन के साथ मौके पर पहुंचे। मामले की गंभीरता को देखते हुए उच्च अधिकारियों को सूचना दी गई।

सूचना पर एसीपी मेजा एस.पी. उपाध्याय, एसडीएम मेजा सुरेंद्र प्रसाद यादव और तहसीलदार जमुना प्रसाद वर्मा, रेंजर विभाग से अजय सिंह मौके पर पहुंचे और शव को दफनाने से रोका। जानकारी के अनुसार, पचपेड़वा मुगलसराय निवासी आजाद अली पुत्र मोहम्मद अख्तर इदरीश अपनी मां शाहजहां और बच्चों के साथ मुंबई के मलाड मालवाड़ी में रहते थे।

उनकी मां शाहजहां (50) का दिल का दौरा पड़ने से मुंबई के एक अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। निधन के बाद, आजाद अली अपनी मां के शव को अपने पिता अख्तर इदरीश की कब्र के पास दफनाने के लिए मांडा खास लाए थे।

ग्रामीणों का आरोप

हालांकि, ग्रामीणों ने इस पर आपत्ति जताते हुए आरोप लगाया कि यह भूमि वन विभाग की है और यहां शव दफनाने की अनुमति नहीं दी जा सकती। उन्होंने यह भी बताया कि पहले भी इसी तरह रात में एक शव को नजरअंदाज करते हुए दफना दिया गया था, लेकिन अब ऐसा नहीं होने दिया जाएगा।

एसीपी मेजा ने 72 घंटे में वन विभाग की भूमि का सीमांकन कराने दिया आश्वासन

एसीपी मेजा ने मामले की गंभीरता को देखते हुए 72 घंटे के भीतर विवादित भूमि का सीमांकन कराने की बात कही है। एसीपी मेंजा ने मांडा खास दफनाने वाले स्थान से 50 किलोमीटर दूर पीड़ित पक्ष को शव रखने की बात कहीं और उक्त स्थल पर पुलिस प्रशासन मुस्तैयत और चकन्नी नजर रखी है। वही मांडा में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है ।एसीपी मेंजा एस पी उपाध्याय ने बताया कि मामला प्रशासन के संज्ञान में आया और मौके पर पहुंचकर शव को दफनाने से रोका और भूमि की सीमांकन सैटलाइट द्वारा वनविभाग की जमीन की सीमांकन करने के बाद ही निर्णय लिया जाएगा इसके लिए 72 घंटा मौके दे चूंकि लखनऊ से टीम आ रही है उक्त भूमि का निस्तारण कराकर ही तय किया जाएगा कि भूमि कैसी है।

उपजिलाधिकारी मेजा ने मांडा की भूमि से संबंधित जानकारी दी

एसडीएम मेजा सुरेन्द्र प्रसाद यादव ने बताया कि मांडा खास के साथ कई गांवों का नक्शा ही नहीं बना है, जिससे राजस्व विभाग मामले का निस्तारण नहीं कर पाते, अभी तक चकबंदी नहीं हुई है। लगभग 11 सौ बीघा भूमि काश्तकारों का है जिसमें वन विभाग का भी बड़ा हिस्सा है।

मांडा थाने बैठे रहे दस बजे रात तक एसीपी

उन्होंने बताया कि पीड़ित पक्ष ने शव को लेकर मांडा क्षेत्र से बाहर चले गए हैं जिससे मामला सामान्य हो गया है ' और यह भी कहा कि उक्त मामले को संज्ञान में लिया और मांडा इंस्पेक्टर अनिल कुमार वर्मा को मेले की ड्यूटी से अतिशीघ्र बुलाया ' उनके सहयोग से मामला को सामान्य रूप में लाया गया '

पूर्व में शव दफनाने को लेकर इस तरह हुआ था

मेरी जमीन पर दफन करना मुझे... बेटा पूरी कर रहा था पिता की अंतिम इच्छा, पहुंची पुलिस।

रात्रि में कब्रिस्तान से हटकर मांडा खास पहाड़ी स्थित जमीन पर शव दफनाए जाने की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच की।

प्रभारी निरीक्षक मांडा माधव प्रसाद त्रिपाठी को सोमवार रात्रि में सूचना मिली कि मांडा खास गांव स्थित पहाड़ी पर दर्जनों लोग जमा हैं और कब्र खोदकर शव दफना रहे हैं। सूचना मिलते ही उपनिरीक्षक रितेश यादव की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल पर मौजूद लोगों से कब्रिस्तान से हटकर अन्य जगह पर कब्र खोदने की वजह पूछी।

मौके पर मौजूद जैनुद्दीन ने बताया कि वह मूल रूप से चंदौली का रहने वाला है। वर्तमान में वह परिजनों के साथ मुंबई में रहता है। बीते रविवार को मुंबई शहर में उसके पिता अख्तर इद्रीस (50) की हार्टअटैक से मौत हो गई। उनकी अंतिम इच्छा थी कि मृत्यु के बाद उनके शव को मांडा खास स्थित जमीन पर दफनाया जाए।

पिता की अंतिम ख्वाहिश पूरी करने के लिए वह उनका शव लेकर मांडा खास आया और शव को सुपुर्द ए खाक करने के लिए कब्र की खुदाई करने लगा। उसने बताया कि करीब सात माह पहले मांडा खास निवासी किसान अमिलुनिशा से उस भूमि का बैनामा करा लिया था। सवा बीघा जमीन उसके मृतक पिता के नाम पर दर्ज है। पुलिस बैनामा की पत्रावली देखी साथ ही इस मामले में भूमि विक्रेता किसान और हलका लेखपाल से मामले की तफ्तीश की। मामला सही पाए जाने पर पुलिस की टीम वापस लौट गई। इसके बाद शव को उस जमीन पर सुपुर्द-ए-खाक किया। उक्त मामले को बेटा आजाद अली ने बताया है।

वसंत पंचमी पर सरस्वती विद्या मंदिर में पूजन विद्यारंभ संस्कार व पोथी यात्रा का भव्य आयोजन

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। वसंत पंचमी के पावन अवसर पर शुक्रवार को सरस्वती शिशु/विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शास्त्री नगर में सरस्वती पूजन, विद्यारंभ संस्कार, प्रवेश उत्सव एवं पोथी पूजन का भव्य आयोजन श्रद्धा और उल्लास के वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विद्यालय परिवार के साथ बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, अभिभावक एवं नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य दयाशंकर पांडेय द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच माँ सरस्वती के विधिवत पूजन से हुआ। इस अवसर पर यजमान के रूप में विद्यालय के उपाध्यक्ष अनिल श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष सौरभ त्रिवेदी एवं प्रधानाचार्य दिनेश कुमार दूबे उपस्थित रहे।

पूजन के उपरांत नन्हे-मुन्ने भैया-बहनों का विद्यारंभ संस्कार संपन्न कराया गया। आम के पल्लव एवं शहद से बच्चों की जीभ पर ह्लॐह्व अंकित कर शिक्षा की औपचारिक शुरूआत कराई गई। इस अवसर पर कुल 59 बच्चों का विधिपूर्वक विद्यारंभ संस्कार कराया गया।

इसके पश्चात विद्यालय द्वारा पोथी यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा विद्यालय परिसर से प्रारंभ होकर माँ ललिता देवी मंदिर के दर्शन के उपरांत संगम चौराहा, हनुमान मंदिर एवं मीरापुर सब्जी मंडी होते हुए लगभग चार किलोमीटर की दूरी तय कर पुनः विद्यालय पहुंची। यात्रा में करीब 350 छात्र-छात्राओं, मातृशक्ति एवं विद्यालय परिवार के सदस्यों ने सहभागिता की। बहनों ने सिर पर कलश एवं धार्मिक ग्रंथ धारण कर यात्रा में भाग लिया। इस दौरान माँ सरस्वती, माँ लक्ष्मी, भारत माता एवं माँ दुर्गा के स्वरूप में सजी बालिकाओं की झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं।

यात्रा के दौरान ह्लमाँ सरस्वती की जयह्व, ह्लभारत माता की जयह्व, ह्लश्रीराम की जयह्व, ह्लहर-हर महादेवह्व और ह्लवंदे मातरम्ह्व जैसे नारों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। मार्ग में श्रद्धालुओं द्वारा पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में अभिभावकों एवं नगर के गणमान्य नागरिकों की भी उल्लेखनीय उपस्थिति रही। प्रमुख रूप से प्रदीप त्रिपाठी, मंजूषा सिंह, अलका सक्सेना, किरण कपूर, संध्या श्रीवास्तव, सोनाली राठौर, आभा साहू, ज्योति, रेनू एवं गीता गुप्ता सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

यह दिवस इसलिए भी विशेष रहा क्योंकि इसी दिन महान क्रांतिकारी नेता नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती भी मनाई गई। उनके त्याग, साहस और राष्ट्रभक्ति को स्मरण करते हुए वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। नेताजी का उद्घोष– ह्लतुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूँगाह्व– आज भी युवाओं को प्रेरित करता है।

कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के व्यवस्था प्रमुख इंद्र नारायण शुक्ला ने सभी आगंतुकों, अभिभावकों एवं सहयोगकताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

अरैल क्षेत्र में सेवा संस्थान के द्वारा भव्य भंडारे का आयोजन हुआ

नैनी। नैनी श्वेत रंग की धारा में कल कल छल छल करते हुए, मां गंगा जमुना सरस्वती के आंचल में शुक्रवार को अरैल माघ मेला स्थित सरस्वती सामाजिक सेवा संस्थान के द्वारा सेक्टर नंबर -7 में भव्य चूरा पोहा का भंडारा आयोजित किया गया। जिसमें गंगा के पावन पवित्र तट पर स्नान करने वाले स्नानार्थियों एवं श्रद्धालुओं को "नर सेवा नारायण सेवा" की तहत प्रसाद वितरण किया गया। भंडारा कार्यक्रम में उपस्थित कुंवर जी तिवारी, धीरज यादव, सहदेव चौरसिया, एडवोकेट आत्म प्रकाश यादव, डां. संगम लाल विश्वकर्मा, डां. सुनीता विश्वकर्मा, ऋषि दीक्षित, शशिकांत पांडेय आदि रहे।

भाजपा वह नाग है जो पीडीए समाज को डसने का काम करती है : इंद्रजीत सरोज

अखंड भारत संदेश

करछना प्रयागराज। समाजवादी पार्टी जमुनापार का बीएलए एवं एसआईआर समीक्षा सम्मेलन करछना विधानसभा के सोनाक्षी गेस्ट हाउस मिजार्पुर रोड स्थित बेन्दो ग्राम में संपन्न हुआ। सम्मेलन के मुख्य अतिथि पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव/विधायक एवं पूर्व मंत्री इंद्रजीत सरोज रहे। अपने संबोधन में श्री सरोज ने कहा कि कि भारतीय जनता पार्टी परिवर्तन के बजाय लोगों को नीचे की ओर धकेलना चाहती है, इसका स्वरूप नाग जैसा है जो दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों तथा सर्वहारा वर्ग के लोगों को पीछे धकेलना चाहती है तथा उन पर उत्पीड़न करवाती है जिसके लिए हमें आपको सतर्क रहना होगा। राष्ट्रीय महासचिव ने कहा कि माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का सपना है कि पीडीए समाज जागरूक हो। श्री सरोज ने कहा कि बसपा की हालत डालियों से कटे हुए पेड़ के समान जबकि पीडीए समाज विशालकाय हाथी के समान। विशिष्ट अतिथि मेजा विधायक संदीप पटेल ने कहा कि संविधान एवं मताधिकार की रक्षा के लिए पीडीए समाज को बढ़कर हिस्सा लेना होगा। साथ ही साथ हम लोगों ने समाजवादी पार्टी के गठबंधन के कारण सांसदी की सीट जिताया है इसलिए कांग्रेस का भी दायित्व बनता है कि विधानसभा की चारों सीटों पर समाजवादी पार्टी की जीत का एहसान सपा प्रत्याशियों को जिताकर अदा करना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता पप्पू लाल निषाद जिलाध्यक्ष यमुनापार तथा संचालन बाबा साहब अंबेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजू पासी ने किया। कार्यक्रम के मुख्य संयोजक विधानसभा अध्यक्ष करछना ननकेश बाबू ने सभी आए हुए अतिथियों का माल्यार्पण किया तथा कहा कि करछना की धरती ऐतिहासिक धरती है और समाजवादियों का गढ़ है। सही समय आ गया है कि सभी समाजवादी एकजुट होकर अपने-अपने बूथों पर पहुंचे तथा जो भी मतदाता छूटे हुए हैं उन्हें मतदाता फॉर्म भर कर 2027 की तैयारी में पूर्ण रूप से जुट जाएं। कार्यक्रम को एसआईआर प्रभारी बब्बन दुबे, जयशंकर भारती, कमलेश यादव आदि ने संबोधित किया। विधानसभा अध्यक्ष मेजा विजयराज सिंह यादव, विधानसभा अध्यक्ष कोराव सोमदत्त पटेल तथा बारा के अध्यक्ष भागीरथी बिन्द अपने-अपने क्षेत्र के बीएलए तथा बूथों पर बनाए गए मतदाताओं का विस्तृत व्योरा रखा। कार्यक्रम में जिला महासचिव इंजी जगदीश यादव उपाध्यक्षगण पप्पू इसराइल, रणजीत सोनकर, महेंद्र सरोज, ओम प्रकाश पटेल, कमलेश पुष्कर, छोटेलाल शर्मा, जिला कोषाध्यक्ष केशव प्रसाद विश्वकर्मा, राम निरंजन विश्वकर्मा, फ्रंटल संगठनो के अध्यक्ष गण नितेश तिवारी, विमल किशोर निषाद, मंगला प्रसाद पाल, राहुल भारती, निरेन्द्र सिंह यादव विधानसभा करछना उपाध्यक्ष गण डॉ.अफजल, समरजीत यादव, प्रकाश विश्वकर्मा, रोशन लाल प्रजापति तथा अन्य पदाधिकारी गण शहबाज हक, डॉ उमेश यादव, नियाज अहमद, रविंद्र जैसल, शिव प्रसाद यादव, पार्षद प्रेम शंकर, जिला पंचायत सदस्य बृजेश यादव, नंदलाल पटेल, डॉ विजय बाबू, जोनल प्रभारीगण डॉ हरिहर देव, गजराज सिंह पटेल सहित हजारों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विद्यालय वाहनों की सुरक्षा पर सख्त हुये डीएम

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जनपद में विद्यालयों के बच्चों की सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन सतर्क है। इसी क्रम में जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी की अध्यक्षता में कैम्प कार्यालय के सभागार में जिला विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य विद्यालय वाहनों की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करना तथा यातायात नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करना है। बैठक के दौरान एआरटीओ दिलीप गुप्ता द्वारा पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों एवं उनके अनुपालन की विस्तृत जानकारी जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत की गई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि जनपद के सभी शासकीय, अशासकीय एवं निजी विद्यालयों में यातायात सुरक्षा समिति का गठन अनिवार्य रूप से किया जाए तथा विद्यालयों द्वारा संचालित सभी वाहनों के फिटनेस प्रमाण पत्र तत्काल प्राप्त किए जाएं। जिलाधिकारी ने कहा कि यदि किसी विद्यालय द्वारा 15 दिनों के भीतर फिटनेस प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं कराया जाता है, तो संबंधित विभाग की टीम भेजकर वाहनों की भौतिक जांच कराई जाये और नियमों के उल्लंघन की स्थिति में आवश्यक विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाये। उन्होंने कहा कि बिना फिटनेस के किसी भी विद्यालय में वाहन संचालित न हो, इसका शत-प्रतिशत अनुपालन कराया जाये। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि समय-समय पर विशेष अभियान चलाकर विद्यालय वाहनों के परमिट, वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस, चरित्र सत्यापन एवं स्वास्थ्य परीक्षण की जांच की जाए, ताकि बच्चों की सुरक्षा से हो सके। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि चिलबिला क्षेत्र में नो-एंट्री के बावजूद भारी वाहनों द्वारा सड़क किनारे लोडिंग-अनलोडिंग किए जाने से जाम की समस्या बनी रहती है, अधिकारियों को निर्देश दिए कि भारी वाहनों का लोडिंग-अनलोडिंग कार्य केवल निर्धारित समय में ही कराया जाए, सख्त निगरानी रखते हुए यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखे। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि दिए गए आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि जनपद में यातायात व्यवस्था सुचारू रहे और विद्यालयों में बच्चों की सुरक्षा पूरी तरह सुनिश्चित की जा सके। बैठक में ज्वाइन्ट मजिस्ट्रेट अनुष्का शर्मा, सांसद प्रतिनिधि बीएल वर्मा, एआरटीओ दिलीप गुप्ता, ईओ नगर पालिका परिषद बेल्हा राकेश कुमार, ट्रान्सपोर्ट यूनियन अध्यक्ष विजय सिंह, आशुतोष पाण्डेय सहित अन्य समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

पुरानी रंजिश में महिला पर लाठी-डंडों से हमला

पट्टी। कोतवाली क्षेत्र के औराईन गांव में पुरानी रंजिश को लेकर दबंगों ने एक महिला पर लाठी-डंडों से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है। औराईन गांव निवासिनी रुबीना बानो पत्नी वकील ने शुक्रवार को आसपुर देवसरा थाने पहुंचकर पुलिस को शिकायती पत्र सौंपा। पीड़िता का आरोप है कि पड़ोसियों से काफी समय से विवाद चला आ रहा है। इसी रंजिश के चलते शुक्रवार दोपहर आरोपी उसके घर पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे। महिला द्वारा विरोध करने पर आरोपियों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। मारपीट में रुबीना बानो का सिर फट गया और वह लहूलुहान होकर गिर पड़ी। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, तब जाकर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। पीड़िता का यह भी आरोप है कि आरोपियों ने मारपीट के दौरान घर में रखा घरेलू सामान तोड़-फोड़ कर क्षतिग्रस्त कर दिया, जिससे उसे आर्थिक नुकसान भी हुआ है। घायल महिला को परिजनों द्वारा उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। इस संबंध में उप निरीक्षक दीपक कुमार ने बताया कि पीड़िता का प्रार्थना पत्र प्राप्त हुआ है। मामले की जांच की जा रही है, चिकित्सकीय परीक्षण कराया जा रहा है और तथ्यों के आधार पर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

अपराधी का पीछा करते समय पुलिसकर्मी की कार दीवाल से टकराई, सिपाही घायल

अखंड भारत संदेश

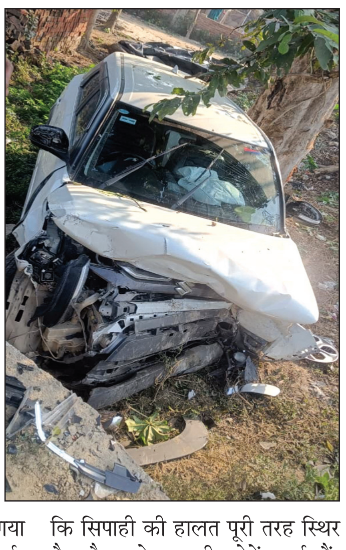

पट्टी। कंधई थाना क्षेत्र के तरदहा गांव के पास शुक्रवार की भोर उस समय अफरा-तफरी मच गई जब संदिग्ध अपराधी का पीछा कर रही पुलिस की कार अनियंत्रित होकर एक दीवार से जा टकराई। हादसे में एक सिपाही घायल हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस विभाग में हलचल मच गई। बताया जा रहा है कि घायल सिपाही रवी चौधरी आसपुर देवसरा थाने पर तैनात है। वह संदिग्ध अपराधी का पीछा करने के दौरान वाहन चला रहा था, इसी बीच तरदहा गांव के समीप अचानक कार का संतुलन बिगड़ गया और वह पास की दीवार से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि वाहन का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में सिपाही रवी चौधरी को हल्की चोटें आईं, जिन्हें तत्काल उपचार के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। प्रभारी निरीक्षक आसपुर देवसरा विजेंद्र सिंह ने बताया कि सिपाही की हालत पूरी तरह स्थिर है और उसे मामूली चोटें आई हैं। किसी प्रकार की गंभीर चोट नहीं है। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति का जायजा लिया और दुर्घटनाग्रस्त वाहन को हटवाया। फिलहाल संदिग्ध अपराधी की तलाश जारी है और पूरे मामले की जांच की जा रही है।

न्यूज झरोखा

आगजनी से नकदी समेत गृहस्थी के सामान हुए खाक

प्रतापगढ़। आगजनी से कई घरों की गृहस्थी के सामान जलकर राख हो गये। ग्रामीणों ने खासी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। लीलापुर थाना क्षेत्र के हदिराही गांव में शुक्रवार को दोपहर करीब दो बजे अचानक छप्परनुमा एक घर में आग लग गयी। हवा के चलते आग की तेज हुई लपटों ने अगल बगल के छप्परनुमा घरों को अपनी आगोश में ले लिया। आगजनी में घर में रखे हजारों की नकदी व गृहस्थी के सामान व अन्य सामान जलकर राख हो गये। पीडित कल्लन भारती, पप्पू भारती, मालूके भारती ने बताया कि आगजनी से नकदी व सामान सब जल गये। वहीं आग से दो मवेशी भी झुलस गये। सूचना मिलने पर पहुंची फायर बिग्रेड की टीम ने ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पाया। सगरा सुंदरपुर पुलिस चौकी इंचार्ज सुमित वर्मा ने कहा कि शिकायत करने पर कार्रवाई की जाएगी।

बसन्त पंचमी पर विधिविधान से पूजी गयी मां सरस्वती

प्रतापगढ़। बसन्त पंचमी पर्व पर स्कूलों में मां सरस्वती का विधिविधान से पूजन किया गया। क्षेत्र के अझारा स्थित पं. नागेशदत्त पब्लिक स्कूल में बसन्त पंचमी पर वैदिक मंत्रोचार के बीच मां सरस्वती की पूजा हुई। वहीं स्कूल के बच्चों ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत किया। विद्यालय की प्रबन्धिका सुनीता मिश्रा, प्रकाशचंद्र मिश्र, रीमा मिश्रा, प्रधानाचार्य एसएन त्रिपाठी ने बच्चों को उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं सौंपी। वहीं सरस्वती विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ0 अमित सिंह के नेतृत्व में, राम अंजोर मिश्र इण्टर कालेज में प्रधानाचार्य सुनील शुक्ल, सरोजनी कान्वेंट स्कूल पूरे हरिकिशुन में प्रबन्धक अजय श्रीवास्तव के नेतृत्व में बसंत पंचमी का पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया।

बोर्ड परीक्षा की मॉनीटरिंग के लिए लगाये एक दर्जन से अधिक कम्प्यूटर

प्रतापगढ़। परीक्षा केन्द्रों पर केन्द्र व्यवस्थापक द्वारा बोर्ड परीक्षा को सकुशल, शुचितापूर्ण एवं नकलविहीन सम्पन्न कराये जाने हेतु जिला विद्यालय निरीक्षक ओमकार राणा द्वारा वैष्णो देवी इं0का0 गोदाही चेरगढ़, एवं मीरा देवी इं0का0 लोदीपुर, बिहार का विद्यालय स्तर पर तैयारियों का निरीक्षण किया गया। जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया है कि वर्ष 2026 की परीक्षा दिनांक 18 फरवरी 2026 से प्रारम्भ हो रही है, जिसमें कुल 166 केन्द्र बनाये गये है। परीक्षा को सकुशल, शुचितापूर्ण एवं नकलविहीन सम्पन्न कराये जाने हेतु परीक्षा केन्द्रों की निगरानी के लिए 05 जोनल मजिस्ट्रेट एवं 17 सेक्टर मजिस्ट्रेट की तैनाती की गयी है तथा 02 फरवरी 2026 से होने वाली प्रयोगात्मक परीक्षा के लिए सभी केन्द्रों के लिए सेक्टर मजिस्ट्रेट नामित किये गये है। ऑनलाइन मॉनीटरिंग किये जाने हेतु जनपद स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है, जिसमें जिलाधिकारी द्वारा कंट्रोल रूम प्रभारी नियुक्त किया गया है। परीक्षा केन्द्रों के भौतिक/स्थलीय निरीक्षण हेतु 07 सचल दल का गठन किया गया है। समस्त परीक्षा केन्द्रों पर केन्द्र व्यवस्थापक को नियुक्त किया जा चुका है। प्रश्न पत्र वितरण हेतु नोडल अधिकारी नामित किया गया है, जिससे परीक्षा केन्द्रों पर प्रश्न पत्र सुरक्षित पहुँचाया जा सके।

सरकारी भूमि पर अवैध अतिक्रमण को एसडीएम ने हटवाया

प्रतापगढ़। सरकारी भूमि पर हुए अवैध कब्जे को लेकर प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए कब्जा हटवाया। उदयपुर थानान्तर्गत रेहुआ लालगंज व नरवल के बार्डर पर चारागाह की जमीन है। जिस पर कुछ दबंगों ने जबरन अतिक्रमण कर रखा था। इसकी शिकायत ग्रामीणों ने उप जिलाधिकारी लालगंज से की। ग्रामीणों ने शिकायती पत्र के जरिए यह भी आरोप लगाया कि एक वर्ग विशेष द्वारा सरकारी जमीन पर अतिक्रमण का उददेश्य धार्मिक कार्य से जुड़े निर्माण के लिए किया जा रहा है। मौके पर दीवार बनायी जा रही है। मामले को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम शैलेन्द्र वर्मा द्वारा जांच कराये जाने पर शिकायत सही पायी गयी। इसके बाद एसडीएम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और अवैध अतिक्रमण पर बुल्डोजर चलवा कर उसे हटवाया और कब्जाधारियों को कडी चेतावनी दी। एसडीएम शैलेन्द्र वर्मा का कहना है कि सरकारी जमीन पर हुए अतिक्रमण को हटवा दिया गया है। शिकायत में वर्ग विशेष द्वारा अतिक्रमण युक्त जमीन पर धार्मिक कार्य का आरोप लगाया गया लेकिन मौके पर दीवार के अलावा ऐसे और कोई साक्ष्य नहीं मिले।

एंटीरोमियों टीम की गश्ती से हडकम्प

लालगंज। एंटीरोमियों टीम की बढ़ी गश्ती से मनचलों में खलबली मची दिखी। सांगीपुर थाना की एंटीरोमियो टीम प्रभारी निरीक्षक स्वाती वर्मा के साथ शुक्रवार दोपहर गश्त पर निकली थी। टीम द्वारा घुइसरनाथ पहुंचने पर संदिग्ध मिले युवक व युवतियों से पूछतांछ शुरू की गयी तो मनचलों में खलबली मच गयी। एंटीरोमियो टीम द्वारा युवक व युवतियों को संस्कार व सही दिशा में भविष्य निर्माण के बाबत प्रेरित भी किया गया। एंटीरोमियो टीम में गुंजा, श्वेता दीक्षित आदि पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

92.58 प्रतिशत ई-केवाईसी पूर्ण, शेष राशनकार्ड लाभार्थी जल्द करायें ई-केवाईसी

प्रतापगढ़। जिला पूर्ति अधिकारी अनुभव त्रिवेदी ने जनपद के समस्त राशनकार्ड लाभार्थियों को सूचित किया है कि भारत सरकार के निदेर्शानुसार राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के अंतर्गत आने वाले सभी राशनकार्डधारकों की ई-केवाईसी शत-प्रतिशत पूर्ण कराना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि यदि किसी लाभार्थी की ई-केवाईसी पूर्ण नहीं होती है, तो भविष्य में उसके खाद्यान्न वितरण में बाधा उत्पन्न हो सकती है। वर्तमान में जनपद प्रतापगढ़ में कुल प्रचलित यूनिटों के सापेक्ष केवल 92.58 प्रतिशत ई-केवाईसी ही पूर्ण हो सकी है, जिसके कारण प्रदेश स्तर पर जनपद का स्थान 27वां है। जिला पूर्ति अधिकारी ने जनपद के सभी राशन कार्डधारकों से अपील की है कि वे अपने राशनकार्ड के मुखिया सहित समस्त यूनिटों की ई-केवाईसी अपने नजदीकी उचित दर दुकान (कोटेदार) पर अवश्य कराएं। जिन यूनिटों की ई-केवाईसी पूर्ण नहीं है, वे वर्तमान में ई-पॉस मशीन में निलंबित प्रदर्शित हो रही हैं, जिसके कारण उन्हें खाद्यान्न प्राप्त नहीं हो पा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ई-केवाईसी पूर्ण होने के पश्चात अगले माह से संबंधित यूनिटों को पुनः खाद्यान्न का लाभ मिलने लगेगा। साथ ही जनपद के सभी उचित दर विक्रेताओं को निर्देशित किया गया है कि वे अपने क्षेत्र के समस्त राशनकार्डधारकों को जागरूक करते हुए शत-प्रतिशत ई-केवाईसी पूर्ण कराना सुनिश्चित करें, ताकि किसी भी पात्र लाभार्थी को खाद्यान्न से वंचित न रहना पड़े।

धूमधाम से मनाया गया बसंत पंचमी व कार्य सिद्धि पूजन दिवस

पट्टी। नगर स्थित रामनारायण इंटरमीडिएट कॉलेज में शुक्रवार को बसंत पंचमी के पावन अवसर पर बसंत उत्सव एवं कार्य सिद्धि पूजन दिवस श्रद्धा, उल्लास और धार्मिक वातावरण के बीच धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान पूरे विद्यालय परिसर में भक्ति और आस्था का माहौल देखने को मिला। बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर विद्या की देवी मां सरस्वती की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। पूजन कार्यक्रम का संचालन पुरोहित रमाकांत तिवारी एवं पंकज तिवारी ने मंत्रोच्चार के साथ किया। पूजन उपरांत सत्यनारायण कथा का आयोजन किया गया, जिसमें पुरोहितों ने धर्म, अध्यात्म और जीवन मूल्यों से जुड़ी बातें बच्चों को सरल भाषा में समझाईं। उन्होंने कहा कि सरस्वती पूजा हमारी भारतीय संस्कृति और सभ्यता का अभिन्न हिस्सा है, जिसे भावी पीढ़ी तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। उपप्रधानाचार्य अनुराधा शर्मा, विजय कुमार दुबे, अजय प्रकाश तिवारी, अखिलेश कुमार सिंह, कृष्ण कुमार मिश्रा, अच्छे लाल मौर्य, अमित शर्मा, रीटा, रंजू तिवारी, नीलम यादव, पूनम यादव, सुनीता मौर्य, अनुष्का सिंह सहित अन्य स्टाफ सदस्यों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण किया गया और विद्यालय परिवार ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

वार्षिकोत्सव में छात्राओं ने मचाया धमाल, अतिथियों का मनमोहा

कुंडा/ प्रतापगढ़। बाबागंज के वैष्णो देवी ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूट गोंदाही में बसंत पंचमी के पावन पर्व पर विद्यालय का वार्षिकोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। जिसमें विद्यालय की छात्राओं में मुस्कान ख्वाहिश शिवानी पूनम आदि ने सरस्वती वंदना स्वागत गीत एवं सामाजिक कुरीतियों पर सावित्रीबाई फूले की जीत पर छात्राओं में मानसी तनु प्रिया रिशु मेहंदी कोमल माही तिवारी आदि ने नाटक मंचन प्रस्तुत किया। इससे पूर्व मुख्य अतिथि जिला विद्यालय निरीक्षक ओंमकार राणा एवं अध्यक्ष विद्यासागर पांडे ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि ने छात्राओं एवं अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि आज तकनीकी शिक्षा का युग है। छात्रों को मन से शिक्षा का अध्ययन करना चाहिए क्योंकि आज तकनीकी एवं कंप्यूटरीकृत ज्ञान होना आवश्यक है। अध्यक्ष विद्यासागर पांडे पूर्व प्रधानाचार्य ने कहा कि शिक्षा ही जीवन का सही उद्देश्य है। इस मौके पर विशिष्ट अतीत विवेक कुमार सिंह प्रबंधक छोटे लाल यादव डायरेक्टर अजीत यादव प्रधानाचार्य ओम प्रकाश पटेल रमेश यादव मनोज यादव डॉक्टर धर्मेंद्र सिंह अनिल सिंह अनिरुद्ध शुक्ला संजय सिंह धीरेंद्र अंकित रजत वेद रामनरेश यादव विमल सिंह आदि मौजूद रहे कार्यक्रम का संचालन डॉनन्हे लाल यादव एवं अनिल सिंह ने किया।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती पर निकला भव्य जुलूस

पट्टी। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर शुक्रवार को पट्टी नगर में देशभक्ति से ओत-प्रोत माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर नगर में भव्य जुलूस निकाला गया, जो नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरा। जुलूस में शामिल लोगों के हाथों में तिरंगा और नेताजी सुभाष चंद्र बोस के चित्र थे, जबकि नेताजी अमर रहें, भारत माता की जय और जय हिंद के नारों से पूरा नगर गूंज उठा। जुलूस के माध्यम से लोगों ने देशप्रेम, राष्ट्रीय एकता और बलिदान की भावना का संदेश दिया। जुलूस का समापन बाबा रामचन्द्र नगर, बहीलापुर, उड़ैयाडीह मोड़, पट्टी में आयोजित जनसभा के साथ हुआ, जहां बड़ी संख्या में नगरवासी एकत्रित हुए। जनसभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस का संपूर्ण जीवन अन्याय, गुलामी और शोषण के विरुद्ध संघर्ष की मिसाल है। उन्होंने कहा कि नेताजी केवल एक स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं, बल्कि राष्ट्रनिर्माण के महान चिंतक भी थे, जिनके विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं। वक्ताओं ने युवाओं से आह्वान किया कि वे शिक्षा, रोजगार, ईमानदारी और सामाजिक न्याय को जीवन का मूल मंत्र बनाएं। उन्होंने कहा कि नेताजी का यह संदेश छुआछूत और अन्याय से समझौता मानवता-बोध को समाप्त कर देता है हैहआज के दौर में समाज को सही दिशा देने वाला मार्गदर्शन है। कार्यक्रम में वक्ताओं ने देश की एकता, अखंडता और अनुशासन पर बल देते हुए कहा कि नेताजी का सपना एक सशक्त, आत्मनिर्भर और न्यायपूर्ण भारत था, जिसे साकार करने की जिम्मेदारी आज की पीढ़ी पर है। इस अवसर पर वागीश सिंह, कमलाकांत, सुशील सिंह, अनिल सिंह, रामचन्द्र वर्मा और प्रमोद सिंह सहित कई गणमान्य नागरिक, युवा और समाजसेवी उपस्थित रहे। आयोजन समिति ने सभी नगरवासियों से नेताजी के आदर्शों को अपनाने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का संकल्प लेने की अपील की। पूरे कार्यक्रम के दौरान अनुशासन, एकता और देशभक्ति की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी, जिसने नगरवासियों को राष्ट्रसेवा के प्रति और अधिक प्रेरित किया।

पीढ़ी को राष्ट्रीयता का बोध कराये शिक्षा : प्रमोद तिवारी

लालगंज। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने शिक्षाविदो से कहा है कि वह पीढ़ी के निर्माण में राष्ट्रीयता का बोध कराने वाली शिक्षा का मजबूत ढ़ांचा प्रदान करें। उन्होने कहा कि देश दुनिया में आज हमारी ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाएं हर पटल पर सफलता का यशोगान लिए हुए है। उन्होने कहा कि वर्तमान परिवेश में भाषावाद तथा क्षेत्रवाद जैसी जटिलताओ को दूर करने के लिए शिक्षा का ध्येय राष्ट्रीय चरित्र के निर्माण के प्रति समर्पित होना चाहिए। उन्होने कहा कि भारत का ज्ञान दुनिया को इसलिए स्वीकार्य है कि यहां की सांस्कृतिक एवं सामुदायिक एकता सबसे बड़ी शक्ति लिए हुए है। सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि दुनिया में सर्वश्रेष्ठ भारत के निर्माण और देश को वैश्विक नेतृत्व के प्रति समर्थवान बनाने के लिए छात्र छात्राओं को ज्ञानार्जन के प्रति सदैव अभिरूचि रखनी होगी। वह शुक्रवार को उदयपुर में एसजेएस पब्लिक स्कूल में आयोजित शैक्षणिक संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। सांसद प्रमोद तिवारी ने परिसर में प्रशासनिक भवन समेत शैक्षणिक भवनों का भी एकमुश्त समारोहपूर्वक लोकार्पण किया। स्कूल के चेयरमैन रमेश बहादुर सिंह व अनिल सिंह छोटे तथा प्रधानाचार्या प्रियंका सिंह चौहान ने आयोजन समिति की ओर से सांसद प्रमोद तिवारी को मोमेण्टो, अंगवस्त्रम व अभिनंदन पत्र समर्पित किया। कार्यक्रम का संयोजन नितेश सिंह, अग्रज सिंह, अनुज सिंह, बीना तिवारी ने संयुक्त रूप से किया। इसके बाद सांसद प्रमोद तिवारी नरवल के गुरूकुल विद्यापीठ इण्टर कालेज के वार्षिकोत्सव में भी बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। यहां उन्होने शिक्षण कक्ष के निर्माण के लिए विधायक आराधना मिश्रा मोना की ओर से दो लाख रुपए विधायक निधि से प्रदान किये जाने की घोषणा भी की। कार्यक्रम को वर्चुअल संबोधित करते हुए क्षेत्रीय विधायक एवं कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि रामपुरखास में सर्वश्रेष्ठ विकास के साथ सभी को शिक्षा के अधिकार की समानता भी मजबूती से हासिल होती रहेगी। कार्यक्रम का संयोजन जनार्दन प्रसाद उपाध्याय एवं सुनील उपाध्याय ने किया। इसके पहले सांसद प्रमोद तिवारी ने बसंत पंचमी के पर्व पर बाबा घुइसरनाथ धाम में दर्शन पूजन कर बाबा से लोकमंगल की प्रार्थना किया। लालगंज के संगम चौराहे पर चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी की अगुवाई में कार्यकताओं व नगर के लोगों ने सांसद प्रमोद तिवारी का माल्यार्पण कर गर्मजोशी से स्वागत भी किया। इस मौके पर प्रतिनिधि भगवती प्रसाद तिवारी, प्रमुख इं. अमित प्रताप सिंह पंकज, सांगीपुर प्रमुख अशोक सिंह बबलू, मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल, आशीष उपाध्याय, डॉ0 अमिताभ शुक्ल, लल्लन सिंह, छोटेलाल सरोज, जावेद खान, गुडडू सिंह, त्रिभु तिवारी, द्दगपाल यादव, विकास मिश्र, अशोकधर द्विवेदी, संजय बघेल, रोहित सिंह, महेन्द्र सिंह आदि रहे।

नौकरी दिलाने के नाम पर 11.50 लाख ठगे, तीन पर केस

कुंडा/ प्रतापगढ़। बाघराय थाना क्षेत्र के सुभाष चन्द्र पटेल पुत्र पन्ना लाल ने एसपी को तहरीर देते हुए बताया कि कुछ लोग उसे नौकरी दिलाने का झांसा देकर उससे 11 लाख 50 हजार रुपये ले लिए। पैसे का लेनदेन 30 दिसम्बर 2024 से पांच मार्च 2025 तक हुआ। शिक्षा मंत्रालय में लिपिक की नौकरी दिलाने का झांसा देकर पैसे लिए और उसे फर्जी ज्वाइनिंग लेटर दिया। उसके बताए जगह पर गया तो पता चला कि ज्वाइनिंग लेटर फर्जी है। जब उसे ठगे जाने का अहसास हुआ तो उसने अपने पैसे वापस मांगे तो वह बोला कि नोएडा में प्लाट है उसे बेचकर पैसे देगा। वादा किए कई महीने हो गए लेकिन न तो उसने पैसे वापस किए न ही फोन उठा रहा है। पैसे नहीं देने की धमकी देते हुए कह रहा है जो करना हो कर लो। एसपी के आदेश पर पीड़ित सुभाष चन्द्र की तहरीर पर पुलिस ने गौरव पाण्डेय, दिग्विजय नाथ पाण्डेय निवासी सरस्वती शिशु मंदिर चिलबिला पट्टी रोड को नामजद करते हुए एसपी तिवारी पता अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

बेटी को पिता से दूध मांगना पड़ा महंगा, बीच-बचाव करने आई पत्नी को पीटकर किया घायल

अखंड भारत संदेश

पट्टी। आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के नचरौला गांव से एक बेहद संवेदनशील और शर्मनाक घरेलू हिंसा का मामला सामने आया है, जहाँ एक मासूम बच्ची द्वारा दूध मांगने पर परिवार में ऐसा विवाद खड़ा हो गया कि मामला मारपीट और गंभीर हिंसा तक पहुँच गया। इस घटना में पत्नी को लाठी-डंडों से पीटकर घायल कर दिया गया।

ग्राम नचरौला निवासी सुमन पत्नी लालचंद ने थाने में दिए गए शिकायती पत्र में आरोप लगाया है कि शुक्रवार सुबह करीब 7 बजे उसकी बेटी घर में खीर बनाने के लिए अपने पिता से दूध मांगने गई थी। यह सामान्य सी बात पिता को नागवार गुजरी और वह अचानक आक्रोशित हो गया। आरोप है कि वह बेटी को मारने के लिए दौड़ पड़ा। बेटी की रक्षा के लिए जब मां सुमन बीच-बचाव करने पहुंची तो आरोपी पति ने आपा खो दिया और लाठी-डंडों से पत्नी पर हमला कर दिया। मारपीट इतनी बेरहमी से की गई कि सुमन गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद परिजनों और ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। घायल अवस्था में सुमन ने थाने पहुंचकर पति के खिलाफ प्रार्थना पत्र दिया और न्याय की गुहार लगाई। पीड़िता ने बताया कि घर में पहले भी विवाद होते रहे हैं, लेकिन इस बार हिंसा ने खतरनाक रूप ले लिया, जिससे उसकी जान तक खतरे में पड़ गई। इस संबंध में थाना प्रभारी विजेंद्र सिंह ने बताया कि पीड़िता द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई है। मामले की जांच कराई जा रही है। जांच के आधार पर विधिक कार्रवाई की जाएगी और दोषी पाए जाने पर आरोपी के विरुद्ध कानूनी कदम उठाए जाएंगे।

कॉलेज में खिचड़ी महोत्सव एवं सरस्वती पूजन कार्यकम संपन्न

कुंडा। विकासखंड बिहार के ग्रामसभा बारौं स्थित रमापति तिवारी बालिका इंटर कॉलेज एवं आर के टी कॉन्वेंट स्कूल में वसंत पंचमी के अवसर पर खिचड़ी महोत्सव एवं सरस्वती पूजन का कार्यक्रम आयोजित हुआ। आयोजन में समरसता व सद्भाव का समागम देखने को मिला।

कार्यक्रम में विद्यालय व कॉलेज के बच्चों द्वारा तरह तरह के प्रस्तुत किए गए सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने समा बांध दिया। कार्यक्रम के दौरान एन सी सी कैडेट्स ने आगंतुकों को सलामी प्रस्तुत कर उनका सम्मान करते हुए प्रांगण में प्रवेश कराना विशेष आकर्षण का केंद्र रहा।कार्यक्रम में बच्चों के अभिभावकों की भी उपस्थिति रही।कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव डॉ0 कैलाश नाथ ओझा शामिल हुए। उनके साथ पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबागंज विधायक विनोद सरोज के साथ पार्टी के अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल हुए। इसके आगे विशिष्ट अतिथि ने कार्यक्रम में अपना संबोधन देते हुए बच्चों को अनुशासन,त्याग को शिक्षा के लिए जरूरी बताया। उन्होंने कहा अनुशासन,त्याग धैर्य,ही वह प्रथम सीढ़ी है,जिसके माध्यम से शिक्षा ही नहीं अपितु किसी भी क्षेत्र में आगे बढ़ा जाता है। बाबागंज विधायक विनोद सरोज ने बच्चों को बेहतर पढ़ाई कर आगे बढ़ने की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय विद्यालय से पढ़े बच्चे जब आगे बढ़कर नौकरी, राजनेता, अधिवक्ता, बड़े बड़े पदों पर पहुंचते हैं तो बच्चों के साथ विद्यालय का भी नाम होता है। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के प्रबंधक क्षीर सागर तिवारी के सुपुत्र व मैनेजिंग डायरेक्टर सचिन तिवारी राजा ने किया। इस दौरान प्रधानाचार्य मुदित सिंह,बाघराय थानाध्यक्ष श्रवण कुमार, पूर्व ब्लॉक प्रमुख बाबागंज मनोज शुक्ला, समाजसेवी कुशहा आदर्श पांडेय, सर्वेश शुक्ला,समाजसेवी रोर पवन सिंह ₹विक्कू₹ पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष उमाशंकर यादव, चेयरमैंन कुंडा शिव कुमार तिवारी भगवन्, प्रधान पहलेपार राजेश त्रिपाठी सोनी मोनी, ऋषभ यादव नेता समाजवादी पार्टी,संजय मिश्रा, सर्वेश तिवारी, जिगर तिवारी, भारत तिवारी, समेत विद्यालय के शिक्षक, शिक्षिका समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

समारोहपूर्वक मनाया गया बसंत पंचमी पर्व व विद्यारंभ संस्कार

लालगंज। नगर स्थित सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कालेज में शुक्रवार को बसन्त पंचमी पर्व पर सरस्वती पूजन व विद्यारंभ संस्कार समारोहपूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की वंदना के साथ हुआ। विद्यालय की व्यवस्थापिका माधुरी ओझा बतौर मुख्य अतिथि रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता अंतिमा सिंह ने किया। कार्यक्रम में तीन से छः वर्ष के बच्चों का वैदिक मंत्रोचार के बीच विद्यारंभ संस्कार सम्पन्न कराया गया। वहीं कार्यक्रम में बच्चों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मंत्रमुग्ध किया। प्रधानाचार्य आचार्य उमाशंकर मिश्र ने बसन्त पंचमी व विद्यारंभ संस्कार के महत्व पर प्रकाश डाला। इस मौके पर सरस्वती शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य प्रदोष नारायण सिंह, उमेश पाल मिश्र, हर्षद शुक्ल, अविनाश, चंद्रमणि, मधुकर आदि मौजूद रहे।

सीडीओ ने प्रचार वाहन को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

प्रतापगढ़। एग्री स्टैक योजना के अंतर्गत जनपद के किसानों को फार्मर रजिस्ट्री के प्रति जागरूक करने एवं इसके लाभ व अनिवार्यता से अवगत कराने के उद्देश्य से प्रचार-प्रसार वाहन को मुख्य विकास अधिकारी डा० दिव्या मिश्रा द्वारा विकास भवन परिसर से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। जनपद की पाँचों तहसीलों के लिए कुल पाँच प्रचार वाहन भेजे गए। इस अवसर पर परियोजना निदेशक डीआरडीए दयाराम यादव, डीसी मनरेगा संतोष कुमार सिंह एवं उप कृषि निदेशक विनोद कुमार यादव सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। मुख्य विकास अधिकारी ने प्रचार वाहन हेतु नामित कर्मचारियों को निर्देशित किया कि वे जनपद के समस्त ग्रामों में जाकर किसानों को फार्मर रजिस्ट्री के प्रति जागरूक करें तथा अवशेष किसानों की रजिस्ट्री तैयार कराना सुनिश्चित करें। यह अभियान 23 जनवरी से लगातार पाँच दिनों तक चलाया जाएगा। सीडीओ ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के ऐसे लाभार्थियों, जिनकी फार्मर रजिस्ट्री अभी तक नहीं बनी है, से अपील की कि वे 30 जनवरी 2026 तक अपने नजदीकी कैम्प अथवा सहज जनसेवा केन्द्र पर आधार कार्ड, खतौनी एवं आधार से लिंक मोबाइल नंबर के साथ फार्मर रजिस्ट्री अवश्य करा लें ताकि पीएम किसान योजना की आगामी किस्त का लाभ प्राप्त हो सके। उप कृषि निदेशक ने बताया है कि प्रचार वाहन तहसील सदर, रानीगंज, पट्टी, लालगंज एवं कुण्डा के तहसील मुख्यालयों पर संबंधित उप जिलाधिकारी से हरी झण्डी दिखवाकर अपने-अपने क्षेत्रों में भ्रमण करेंगे। अभियान के दौरान लाउडस्पीकर, नुक्कड़ गोष्ठी, ग्राम पंचायतों में कैम्प, लोकगीत एवं संबोधन के माध्यम से किसानों को फार्मर रजिस्ट्री के लाभों की जानकारी दी जाएगी। इस कार्य हेतु तहसीलवार कर्मचारियों की ड्यूटी भी लगाई गई है। कार्यक्रम में वीर विक्रम सिंह अपर जिला कृषि रक्षा अधिकारी, भोलानाथ सिंह वरि०प्रावि०सहा०ग्रुप-ए, अजय सिंह, विजय सिंह, राजेन्द्र उपाध्याय, सुरेश कुमार सिंह तथा समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

बसंत पंचमी : गंगा-यमुना के विभिन्न घाटों पर लाखों श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

अखंड भारत संदेश

बसंत पंचमी के दिन विद्या की देवी मां सरस्वती की पूजा किए जाने का विधान वेद पुराण और धर्म ग्रंथो में है

कौशांबी। बसंत पंचमी के पावन पर्व पर गंगा और यमुना नदी के पवित्र जल में स्नान का विशेष महत्व है और इसी महत्व के चलते बसंत पंचमी के पावन पर्व पर शुक्रवार को भोर 4:00 बजे से ही गंगा और यमुना के विभिन्न घाट पर गंगा स्नान करने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ पहुंचती रही देखते-देखते 8:00 बजे के आसपास गंगा यमुना नदी के किनारे श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ गई दोपहर 4:00 बजे तक गंगा और यमुना नदी के विभिन्न घाटों पर लाखों श्रद्धालुओं ने नदी के पवित्र जल में स्नान किया है गंगा और यमुना के पवित्र जल में स्नान करने के बाद श्रद्धालुओं ने मंदिरों में विधि विधान से पूजन यज्ञ अनुष्ठान हवन कीर्तन भजन किया है भक्तों द्वारा जगह-जगह पर भंडारे का आयोजन किया गया प्रसाद का वितरण हुआ जहां श्रद्धालुओं में प्रसाद ग्रहण किया है बसंत पंचमी के दिन विद्या की देवी मां सरस्वती की पूजा किए जाने का विधान वेद पुराण और धर्म ग्रंथो में है जिसके चलते घर-घर में विद्या की देवी मां सरस्वती की पूजा हुई है स्कूल कॉलेज में भी मां सरस्वती की पूजा विधि विधान से हुई है। सुरक्षा व्यवस्था यातायात व्यवस्था को लेकर के जगह-जगह पर भारी पुलिस फोर्स तैनात की गई थी जो लगातार व्यवस्थाओं पर नजर बनाए रखे हुए थी पुलिस आला अधिकारी समेत प्रशासनिक अधिकारी भी बसंत पंचमी के पर्व पर सुरक्षा व्यवस्था कानून व्यवस्था को लेकर लगातार भ्रामाशील रहे और पल-पल की जानकारी लेते रहे देर शाम 4 बजे तक गंगा यमुना नदी के विभिन्न घाटों में लाखों भक्तों ने स्नान दान पूजन अर्चन किया है।

बसंत पंचमी पर्व पर गंगा नदी किनारे ग्राम प्रधान व पुलिस की व्यवस्था में हजारों लोगों ने किया स्नान

कोखराज कौशाम्बी बसन्त पंचमी के पावन पर्व पर सन्दीप घाट गंगा नदी में हजारों श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई ग्राम प्रधान प्रतिनिधि ने गंगा स्नान करने वाली महिला श्रद्धालुओं को कपड़े बदलने के लिए पन्नी से वस्त्र बदलने के लिए चेंज तुम बनवाया जिससे दूर दूर से आए महिला श्रद्धालुओं को कपड़े बदलने में दिक्कत ना हो लोगो ने कहा कि ग्राम प्रधान की इस पहल ने श्रद्धालुओं का दिल जीत लिया ग्राम प्रधान प्रतिनिधि ने लोगों को सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए नाव व नाविक की भी व्यवस्था की थी जिससे कि किसी भी प्रकार अनहोनी न हो हजारों श्रद्धालुओं ने गंगा नदी के पवित्र जल में स्नान करने के बाद मंदिरों में पूजा अचर्ना कर आशीर्वाद लिया सुरक्षा व्यवस्था में लगी पुलिस बल की मौजूदगी में गंगा स्नान कर रहे लोगो को गहरे पानी में न पहुंचने की सलाह दी गई इस मौके पर क्राइम इंस्पेक्टर विनय विक्रम सिंह, एसएसआई,सन्तोष कुमार, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि मोहम्मद आमिर व अन्य कमर्चारी गण मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश दिवस पर आयोजित होगा भव्य कार्यक्रम

एक जनपद-एक व्यंजन के अंतर्गत मूंग से बने उत्पाद (मुगौरा) का होगा शुभारंभ

अखंड भारत संदेश

कौशांबी में उत्तर प्रदेश दिवस पर दिनांक 24 जनवरी,2026 को डायट मैदान में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अध्यक्ष राज्य ललित कला अकादमी डॉ. सुनील कुमार विश्वकर्मा है यह जानकारी मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी ने देते हुए बताया कि कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा विभागीय योजनाओं से संबंधित स्टॉल लगाकर आमजन को योजनाओं की जानकारी प्रदान की जाएगी। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। उत्कृष्ट कार्य करने वाले विभिन्न विभागों के अधिकारियों कर्मचारियों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। एक जनपद-एक व्यंजन के अंतर्गत मूंग से बने उत्पाद (मुगौरा) का शुभारंभ किया जाएगा एवं स्टॉल भी लगाए जायेंगे।

विद्या साइंस पब्लिक स्कूल व अमर कोचिंग मनौरी में मनाया गया भव्य बसंत पंचमी महोत्सव

कौशाम्बी। बसंत पंचमी के अवसर पर तहसील चायल के मनौरी बाजार स्थित विद्या साइंस पब्लिक स्कूल और अमर कोचिंग इंस्टीट्यूट में ज्ञान की देवी मां सरस्वती की आराधना हुई।बसंत पंचमी के अवसर पर विद्या साइंस पब्लिक स्कूल एंड अमर कोचिंग इंस्टीट्यूट में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ पूजन, यज्ञ कार्यक्रम आयोजित किया गया।बसंत पंचमी का पर्व शुक्रवार को मनौरी कस्बा सहित पूरे जनपद भर में श्रद्धाभाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मंदिरों में धार्मिक आयोजन हुए। स्कूलों में सरस्वती पूजन सहित विविध कार्यक्रम हुए।मनौरी बाजार कस्बा स्थित विद्या साइंस पब्लिक स्कूल और अमर कोचिंग इंस्टीट्यूट में बसंत पंचमी पर्व धूमधाम से मनाया गया।कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना से हुई।स्कूल और कोचिंग के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने ज्ञान की देवी मां सरस्वती को श्रद्धासुमन अर्पित किए।विद्यालय प्रबंधक और डॉयरेक्टर सुनील साहू ने बच्चों को बताया आज के दिन ऋतुराज बसंत का आगमन माना जाता है और बसंत ऋतु को सभी ऋतुओं का राजा कहा जाता है। इस दिन सभी पीले रंग के वस्त्र धारण करते हैं। बसंत पंचमी पर पीले वस्त्र एवं पीले खाद्यान्नों का उपयोग करने के पीछे के वैज्ञानिक दृष्टिकोण से अवगत कराया। विद्यालय की प्रबंधिका बबिता साहू ने कहा कि बच्चों के लिए यह बसंत पंचमी पर्व बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान रखता है। मां सरस्वती सभी को बुद्धि और विवेक प्रदान करें।विद्यालय अध्यक्ष ओम नारायण साहू ने बच्चों को बसंत पंचमी का पौराणिक एवं सांस्कृतिक महत्व की जानकारी दी। बसंत पंचमी का त्योहार विद्या की देवी माँ सरस्वती की अराधना के रूप में की जाती है। यह भारतीय संस्कृति की एक अद्भुत पहचान है कि भारत में प्रत्येक ऋतु किसी न किसी त्योहार से संबंधित है। प्रधानाचार्य इंजीनियर मनीष साहू ने बच्चों को पर्व की बधाई देकर इसका महत्व समझाया। विद्यालय की वाइस प्रिंसिपल आरजू खान के नेतृत्व में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। वाइस प्रिंसिपल ने कहा कि आज का दिन छात्र छात्राओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है। आज के दिन सभी छात्र छात्राओं को मां सरस्वती की पूजा अवश्य करनी चाहिए।स्कूल सुप्रींटेंडेंट इंजीनियर सत्यदेव प्रसाद ने बच्चो को बताया की बसंत ऋतु जन जीवन में नव-चेतना प्रवाहित करने वाली ऋतु है। इस ऋतु में प्रकृति अपना श्रंगार पूर्ण मनोयोग से करती है। इससे पूर्व बच्चों ने मां सरस्वती की स्तुति कर कई सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम में सभी बच्चो और आएं पेरेंट्स को मां सरस्वती जी का प्रसाद वितरण किया गया। अंत में प्रधानाचार्य इंजिनियर मनीष साहू ने आएं पेरेंट्स का आभार व्यक्त किया।इस अवसर पर विद्यालय के टीचर्स मे विजय लक्ष्मी साहू,रिया सोनी,क्रांति पाल,रुबीना पटेल, गीताजंली यादव, फलक प्रवीन, सोनम ठाकुर, निधि शर्मा, शैलवी केसरवानी, सुधा, सुजाता, स्नेहा राजपूत समस्त अध्यापक-अध्यापिकाओं सहित छात्र-छात्राएं और अभिभावक मौजूद रहे।

न्यूज झरोखा

मेडिकल कॉलेज में हुआ सरस्वती पूजन का भव्य आयोजन

कौशांबी मेडिकल कॉलेज में पहली बार सरस्वती पूजा का भव्य आयोजन हुआ। इस अवसर पर कॉलेज के प्रिंसिपल हरिओम कुमार सिंह ने सरस्वती माँ की प्रतिमा स्थापित की और पूजा-अचर्ना की। पूजा के बाद हवन का आयोजन किया गया, जिसमें सभी उपस्थित लोगों ने भाग लिया। इसके बाद प्रसाद वितरण हुआ, जिसे सभी ने श्रद्धा से ग्रहण किया। इस आयोजन में प्रोफेसर सरस्वती जायसवाल, डॉ. नंदिनी राघव, डॉ. संदीप कुमार और डॉ. आत्मिक आदि ने भी सरस्वती पूजा में शामिल होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। एमबीबीएस के छात्रों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और पूरे कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान दिया। छात्रों ने मिलजुल कर पूजा की तैयारियों में हाथ बटाया और अनुशासन के साथ कार्यक्रम को संपन्न कराया। पूरे माहौल में भक्ति और उल्लास की भावना देखने को मिली।सरस्वती पूजन का यह आयोजन न केवल ज्ञान और विद्या की देवी को समर्पित था, बल्कि छात्रों और शिक्षकों के बीच एकता और सहयोग का प्रतीक भी बन गया।

एन डी कांवेंट स्कूल में विद्यार्थियों ने किया मां सरस्वती की पूजा

हररायपुर कौशांबी। एन डी कांवेंट स्कूल एंड स्वगीय श्रीसमाधि महाराज बाबा सूरजपाल दास इंटर कॉलेज नसीरपुर मूरतगंज के प्रांगण में बसंत पंचमी के पावन पर्व पर शुक्रवार को विद्या की देवी मां सरस्वती का विद्यार्थियों और शिक्षकों ने विधि विधान से पूजा अर्चन किया और मां सरस्वती से बुद्धि ज्ञान विद्या मांगा इसी के साथ आजादी के महानायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस का जन्मदिन बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर विद्यालय के प्रबंधक मिथिलेश सिंह यादव ने बसंत पंचमी के बारे में छात्र-छात्राओं को जानकारी दी। विद्यालय के प्रधानाचार्य महेश कुमार ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवनी पर प्रकाश डाला वा बताया कि नेताजी एक ऐसे महान क्रांतिकारी थे जिन्होंने अपना जीवन देश के लिए न्योछावर कर दिए इन्होंने जय हिंद व तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा का नारा दिया। उनके योगदान को कभी भी भुलाया नहीं जा सकता। इस मौके पर उप प्रधानाचार्य राम नरेश यादव सुनील सिंह, कुलदीप कुमार,धर्म नारायण,राधा रानी सरोज अग्रवाल,आकांक्षा पाल, मनीषा विश्वकर्मा नंदिता पाल ममता आकांक्षा यादव,ज्योति कुशवाहा, महक सिंह,गीतांजलि अजय मिश्रा, बीरेंद्र कुशवाहा,अरविंद यादव उमेश यादव आदि लोग मौजूद रहे।

के. सी. कॉन्वेंट इंटर कॉलेज में सरस्वती पूजन का आयोजन

टेढ़ी मोड़ कौशांबी। बसंत पंचमी के उपलक्ष्य में शुक्रवार को के०सी० कान्वेंट इंटर कालेज शहजादपुर में विद्यालय के विद्यार्थियों और शिक्षकों ने बड़े ही धूमधाम से सरस्वती पूजन किया गया जिसमें मुख्य यजमान विद्यालय के प्रबंधक पीयूष शुक्ल ने पूजन विधि विधान से पूर्ण कराया बसंत पंचमी के अवसर पर मां सरस्वती की पूजन के दौरान यज्ञ अनुष्ठान कर मां सरस्वती को फल मिष्ठान अर्पित किया गया है तथा साथ ही सभी विद्यार्थियों शिक्षकों को प्रसाद वितरण भी किया गया विद्या की देवी मां सरस्वती की पूजा कर विद्यालय के बच्चों ने मां सरस्वती से ज्ञान गुण और विद्या की मांग की है।

कांग्रेस जिला अध्यक्ष ने किया हीरो बाइक शो रूम का शुभारंभ

कौशाम्बी। सराय अकिल में हीरो बाइक शो रूम का शुभारंभ विधि विधान से पूजा अचर्ना करने के बाद बसंत पंचमी के दिन कांग्रेस जिला अध्यक्ष की मौजूदगी में एजेंसी मालिक द्वारा किया गया है चायल विधानसभा अन्तर्गत सराय अकिल फ़क़ीराबाद चौराहे पर सत्यम ऑटो सेल्स के उद्घाटन समारोह के अवसर पर बतौर अतिथि के रूप में कांग्रेस के जिला अध्यक्ष गौरव पाण्डेय ने पहुंच कर अपनी बधाई दी और शुभकामनाएं दी और कहा मुझे गर्व है हमारा कौशाम्बी तरक्की के राह पर अग्रसर है इस पर शैलेंद्र जायसवाल ने बताया कि सराय अकिल की जनता को हीरो बाइक लेने के लिए कहीं बाहर नहीं जाना पड़ेगा। शोरूम के मालिक दुर्गेश जायसवाल और शैलेन्द्र जायसवाल ने गौरव पाण्डेय को साल पहनाकर एवं बुके देकर सम्मान किया कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष उदय यादव,सोसल मीडिया जिलाध्यक्ष सचिन पाण्डेय,पुष्पेंद्र यादव,दीपक शर्मा आशीष जायसवाल आदि लोग उपस्थित रहे।

हिसामपुर परसखी गांव में धूमधाम से मनाया गया प्रभु श्री राम मंदिर निर्माण प्राण प्रतिष्ठा का वषर्गांठ

कड़ा कौशांबी अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि में प्रभु श्री राम की मूर्ति के प्राण प्रतिष्ठा के दूसरे वषर्गांठ पर सिराथू तहसील के कड़ा ब्लॉक स्थित हिसामपुर परसाखी गांव में विशेष धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। श्री शिव हनुमान मंदिर सेवा संस्थान ट्रस्ट ने इन आयोजनों की देखरेख की प्रभु श्री राम के स्वागत में मंदिर परिसर दीपों की रोशनी से जगमगाया। इस विशेष उत्सव के दौरान सुंदरकांड का सस्वर पाठ किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।सुंदरकांड पाठ के उपरांत नित्य संध्या आरती हुई। देर शाम तक चले भजन-कीर्तन ने भक्तिमय माहौल बनाए रखा।कार्यक्रम के अंत में उपस्थित भक्तों के बीच भारी मात्रा में प्रसाद का वितरण किया गया।इन आयोजनों में ट्रस्ट के संरक्षक अमरीश पाण्डेय, उपाध्यक्ष अशोक पाण्डेय,सचिव सुनील पाण्डेय संगठन मंत्री बबलू पाण्डेय, मीडिया चीफ अनुभव मिश्रा, प्रवक्ता डब्ल्यू पाण्डेय और उप सचिव हेमराज पटेल मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

विश्वनाथ प्रसाद महाविद्यालय के तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता में क्रिकेट की दोनों टीमों को दिया गया मेडल एवं शील्ड

हररायपुर कौशांबी विश्वनाथ प्रसाद महाविद्यालय मूरतगंज में चल रहे तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता के अंतिम दिन शुक्रवार को क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें सेंट फ्रांसिस स्कूल बेरुआ की टीम ने डीडीआर इंटर कॉलेज भरवारी की टीम से 12 रन से जीत हासिल कर विजेता रही वही डीडीआर इंटर कॉलेज भरवारी की टीम उपविजेता रही महाविद्यालय परिसर में चल रहे तीन दिवसीय खेल के क्रिकेट आयोजन को देखने के लिए दशर्कों के भीड़ लगी रही और लगातार ताली बजाकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते रहे इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रधानाचार्य अखिलेश जयसवाल प्रबंधक रामबाबू केसरवानी अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद केसरवानी संचालक - हरिओम केशरवानी अरुण केशरवानी हर्षित केशरवानी जयंती सिंह,राम चंद्र,मैकू लाल जयप्रकाश सिंह महेश्वरी प्रसाद इंटर कॉलेज के अध्यापक शशीकांत यादव एवं प्रशांत राय एवं महाविद्यालय के समस्त शिक्षकगण ने दोनों टीमों को मेडल एवं शील्ड प्रदान कर पुरस्कृत किया।

एसएजीएम.कान्वेंट स्कूल में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया बसंत पंचमी का पर्व

कड़ा कौशाम्बी सिराथू तहसील क्षेत्र के गनपा स्थित एस. ए. जी. एम. कान्वेंट स्कूल में बसंत पंचमी का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया विद्यालय प्रांगण में ज्ञान की देवी मां सरस्वती की पूजा और हवन का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों और शिक्षकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रबंधक जवाहर लाल ने दीप प्रज्वलित कर मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया अपने संबोधन में उन्होंने शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षा के बिना जीवन अधूरा है और मां सरस्वती की कृपा से ही विद्यार्थियों के जीवन में ज्ञान का प्रकाश फैलता है प्रधानाचार्य आलोक रंजन और उप प्रधानाचार्य राम अवतार के मार्गदर्शन में छात्र-छात्राओं ने सरस्वती वंदना और स्वागत गीत प्रस्तुत किए नन्हे मुन्ने बच्चों ने पीले वस्त्र धारण कर बसंत के आगमन का स्वागत किया विद्यालय के शिक्षकों ने भी बच्चों को ज्ञान और अनुशासन के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी पूजा कार्यक्रम के दौरान विद्यालय का समस्त स्टाफ रंजीत सुशील अकबर अली, राहुल, जीतेन्द्र, रंजीत कुशवाहा और आनन्द शामिल रहे शिक्षिकाओं में वंदना,अंचल,वर्षा, चाहत, पूनम, बिना, काजल गौसिया, प्रिया,खुशी और प्रियंका ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों और छात्र-छात्राओं के बीच प्रसाद वितरित किया गया। पूजा के भक्तिमय गीतों से पूरा विद्यालय परिसर भक्ति और हर्षोल्लास से सराबोर नजर आया।

8 वर्षों से युवक से शारीरिक संबंध बनाने वाली महिला ने युवक पर आरोप लगाकर भिजवा दिया जेल

महेवाघाट कौशांबी। महेवाघाट थाना क्षेत्र की एक महिला के साथ शादी का झांसा देकर बीते 8 वर्षों से शारीरिक संबंध बनाए जाते रहे हालांकि शारीरिक संबंध बनाए जाने में महिला की भी सहमति रही और बदले में महिला द्वारा लगातार युवक से रकम की वसूली की जाती रही लेकिन लंबे समय से संबंध बनाए जाने के बाद महिला ने युवक को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया और जब युवक ब्लैकमेल की रकम नहीं पूरी कर सका तो महिला ने महेवाघाट थाना पुलिस को 14 जनवरी 2026 को सूचना दिया कि अभियुक्त बालेन्द्र ने उनके साथ पिछले 8-9 वर्ष से शादी का झासा देकर कई बार शारीरिक सम्बन्ध बनाया महेवाघाट थाना में अभियोग पंजीकृत हुआ।उपरोक्त क्रम में दिनांक 23.01.2026 को थाना महेवाघाट पुलिस ने मुकदमा से सम्बन्धित अभियुक्त बालेन्द्र कुमार पुत्र सन्तलाल निवासी लौगवां थाना महेवाघाट को गिरफ्तार किया विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेजा गया हैं।

हवाई हमले की स्थिति में आमजन को जागरूक व बचाव के लिए किया गया ब्लैक आउट अभ्यास एवं मॉकड्रिल

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। जनपद में युद्धकालीन आपात परिस्थितियों के दृष्टिगत नागरिकों, घरों एवं प्रतिष्ठानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस लाइन में हवाई हमले के दौरान किए जाने वाले ब्लैक आउट अभ्यास एवं मॉकड्रिल का सफल आयोजन किया गया। इस अभ्यास का उद्देश्य हवाई हमले की स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया, समन्वय एवं जन-सुरक्षा उपायों की प्रभाव शीलता को परखना था मॉकड्रिल के दौरान निर्धारित समय पर पूर्ण ब्लैक आउट किया गया, जिसमें अनावश्यक प्रकाश स्त्रोतों को बंद रखने, खिड़की-दरवाजों पर परदे/कवर लगाने, वाहनों की लाइटें बंद रखने तथा सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने जैसे निर्देशों का पालन कराया गया। हवाई हमले के पूर्व सायरन/संकेत प्रणाली के माध्यम से चेतावनी प्रसारित की गई। हवाई हमले होते ही तत्काल बचाव दल मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य में जुट गया। अग्निशमन विभाग ने आग पर काबू पाया। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया।अभ्यास में पुलिस, सिविल डिफेंस, होमगार्ड, अग्निशमन एवं अन्य संबंधित विभागों ने सहभागिता करते हुए आपसी समन्वय के साथ अपनी-अपनी भूमिकाओं का निर्वहन किया। प्राथमिक उपचार, आपात निकासी, संचार व्यवस्था तथा नियंत्रण कक्ष की कार्यप्रणाली का भी परीक्षण किया गया अतिरिक्त मजिस्ट्रेट आकाश सिंह ने कहा कि ऐसे अभ्यासों से जन-जागरूकता, अनुशासन एवं आपात स्थितियों में त्वरित निर्णय क्षमता विकसित होती है इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार सिंह व मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संजय कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

ग्राम सभा की भूमि पर दबंगों के द्वारा हो रहा था कब्जा

उप जिलाधिकारी से ग्रामीणों ने लगाई गुहार मौके पर पहुंचे लेखपाल ने निर्माण कार्य में लगाई रोक

कोखराज कौशाम्बी कोखराज थाना क्षेत्र के मकदूम पुर काजी तहसील चायल में लगातार बेश कीमती जमीन पर कब्जा हो रहा था शिकायत के बाद लेखपाल ने सरकारी जमीन के कब्जे को रोक दिया है बताया जाता है कि गांव के सरकारी आरजी गाटा संख्या 387 रोड पर स्थित हैं जिसको दबंगों के द्वारा कब्जा किया जा रहा था जिसकी शिकायत एसडीएम चायल से ग्रामीणों ने किया एसडीएम के निर्देश पर लेखपाल ने शिकायत कर्ता शारदा प्रशाद गुप्ता मूल चन्द्र आदि ग्रामीणों से मिल कर नाप जोख किया लेखपाल के द्वारा मौके पर ग्राम सभा की जमीन गाटा संख्या 387 बंजर भूमि 18 मीटर चौड़ी रोड पर है और गहराई 120 फिट हैं चल रहे निर्माण में लेखपाल ने बताया कि लगभग 20 फुट जमीन कब्जा हो गयी हैं कब्जा कर रहे रमराज अशोक पुत्र रुपे, प्रेम चन्द्र पुत्र रमहित,ओम प्रकाश गोलू पुत्र राम राज के द्वारा कब्जा किया जा चुका है लेखपाल ने कहा कि निर्माण कार्य नही होगा यदि जबरन कब्जा किया गया तो कानूनी कार्यवाही होगी शिकायत कर्ता शारदा प्रशाद ने बताया कि जमीन बेश कीमती होने से सरकारी जमीन कब्जा करने वाले लोगों ने धमकी भी देना सुरु कर दिया है शिकायत कर्ता ने कहा कि यदि मेरे ऊपर किसी भी तरह की घटना घटित होती हैं तो इसके जिम्मेदार दबंग भू माफिया ही होंगे।

लकड़ी माफियाओं ने काट डाले आधा दर्जन से अधिक हरे फलदार विशाल पेड़

अखंड भारत संदेश

नियम विरुद्ध तरीके से हरे पेड़ काटने कीअनुमति देने वाले विभाग के तानाशाह अफसर को चिन्हित करना होगा

हरे फलदार पेड़ के काटे जाने में रेंजर वन दरोगा और थाना पुलिस ने भी नही लगाई रोक

कौशांबी। चायल रेंज क्षेत्र के संदीपन घाट थाना अंतर्गत मोहनापुर गांव में महुआ के हरे फलदार विशालकाय पेड़ों पर लकड़ी माफियाओं की पेट्रोलिंग आरा मशीन चल रही है देखते-देखते मोहनापुर गांव में आधा दर्जन से अधिक महुआ के हरे विशाल पेड़ों को लकड़ी माफियाओं ने पेट्रोलिंग आरा मशीन के जरिए काट दिया है लकड़ी माफिया के साथ दजर्नों मजदूरों की टीम भी मौजूद थीं जिन्होंने हरे पेड़ों को काटकर गिरा दिया है और हरे पेड़ की लकड़ी को वाहनों में भरकर के लकड़ी माफिया उठा ले गए हैं बेखौफ तरीके से हरे पेड़ के कटान और परिवहन होता रहा फजी तरीके से हरे पेड़ का परमिट जारी किया गया और ट्रांजिट परमिट भी जारी नहीं हुआ उसके बाद भी कोई भी जिम्मेदार पेड़ के कटान को रोकने की कोशिश नहीं कर रहा है बताया जाता है की लकड़ी माफिया ने जिम्मेदार अधिकारियों को नोट की गड्डी देकर खरीद लिया है इस संबंध में लकड़ी माफिया का कहना है कि वन विभाग से हमको हरे फलदार पेड़ काटने का परमिशन मिला है जबकि सरकार ने हरे फलदार पेड़ के कटान पर पूरी तरह से रोक लगाई है अब सवाल उठता है कि जब सरकार ने हरे पेड़ के कटान पर रोक लगाई है तो वन विभाग का वह कौन तानाशाह अफसर है जो हरे फलदार पेड़ के काटने की अनुमति लकड़ी माफिया को दे रहे है नियम विरुद्ध तरीके से हरे पेड़ काटने की अनुमति देने वाले विभाग के तानाशाह अफसर को चिन्हित करना होगा और लकड़ी माफियाओं के साथ-साथ वन विभाग के तानाशाह अफसर को निलंबित कर हरे फलदार पेड़ को बचाना होगा लेकिन वन विभाग के अधिकारी लकड़ी माफियाओं के टुकड़ों पर पलते हैं जिससे हरे फलदार पेड़ को वह काटने का परमिशन दे देते हैं हरे फलदार पेड़ के काटे जाने में रेंजर और वन दरोगा ने भी रोक नहीं लगाई और थाना पुलिस ने भी हरे पेड़ के काटने पर रोक नहीं लगाई है जिससे पूरी व्यवस्था पर सवाल खड़े होंगे कि जिले में हरियाली कैसे सुरक्षित होगी पूरे जिले में हरे फलदार विशालकाय हजारों पेड़ों को काटने की अनुमति हेरा फेरी करके वन विभाग के अधिकारी दे रहे हैं जिससे वन विभाग के अफसर पर भी बड़े सवाल खड़े हैं इन अफसरों के कारनामों को यदि शासन प्रशासन ने संज्ञान लिया तो डीएफओ पर भी बड़ी कारवाई हो सकती है।

सम्पादकीय

नवीन और प्राचीन के बीच भाजपा

मंगलवार 19 जनवरी 2026 को नितिन नबीन भाजपा के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष बन गए। नयी दिल्ली में भाजपा मुख्यालय में उनके नाम का ऐलान किया गया। इससे पहले श्री नबीन को 14 दिसंबर 2025 को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया था। 18 जनवरी को उनका नामांकन हुआ और वे पूर्णकालिक अध्यक्ष पद के लिए निर्विरोध चुने गए। उनके अध्यक्ष बनने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें माला पहनाई, फिर करीब एक घंटे के भाषण में कहा, 'मैं भाजपा का कार्यकर्ता हूं। मैं मानता हूं कि नितिनजी मेरे बॉस हैं। अब वे मेरे काम का आकलन करेंगे।' वहीं बतौर अध्यक्ष नितिन नबीन ने पहले भाषण में कहा, 'राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में मेरा निर्वाचन एक साधारण कार्यकर्ता की असाधारण यात्रा को मिला सम्मान है।'

इन बातों को सुनकर किसी को भी लगेगा कि देश क्या दुनिया की सबसे बड़ी और ताकतवर पार्टी होने का दावा करने वाली भाजपा कितने लोकतांत्रिक मिजाज की है। यहां साधारण से कार्यकर्ता को भी शिखर तक पहुंचने का मौका मिलता है। एक राष्ट्रीय दैनिक ने तो शीर्षक ही दे दिया -भाजपा का नवीन युग। अलंकार के हिसाब से शीर्षक काफी उपयुक्त है। लेकिन असलियत क्या है ये नितिन नबीन भी जानते हैं, उनके पूर्ववर्ती जे पी नड्डा भी जानते होंगे और भाजपा के बाकी कार्यकर्ता भी।

नितिन नबीन बिहार में पांचवी बार के विधायक हैं, यानी राजनीति में उनकी पकड़ है, इससे कोई इंकार नहीं। लेकिन राजनीति में वे अपने पिता भाजपा नेता नवीन किशोर सिन्हा की आकस्मिक मौत के बाद आए। पिता की विरासत संभालनी थी, लिहाजा भाजपा ने परिवारवाद की चिंता किए बिना उन्हें टिकट दी। और फिर लगातार चुनाव जीतकर नितिन नबीन ने अपनी योग्यता साबित की। अब उसी परिवारवाद को भुलाकर ही उन्हें पहले कार्यकारी और फिर पूर्णकालिक अध्यक्ष भी बनाया गया। क्योंकि वे अमित शाह और नरेन्द्र मोदी की पसंद हैं। जे पी नड्डा भी मोदी-शाह की ही पसंद थे, और बतौर अध्यक्ष उनका कार्यकाल बढ़ा-बढ़ाकर उन्हें शीर्ष पद पर बिठाए रखा गया। लेकिन इसके बाद शायद मोदी-शाह को लगा होगा कि इससे ज्यादा खींचने में पार्टी को नुकसान हो सकता है, तो शीर्ष पद का मोहरा बदल दिया गया। वैसे भी बिहार चुनाव जीतने के बाद मोदी-शाह को राज्य का धन्यवाद करना था, तो इसका एक तरीका यही लगा होगा। दूसरी बात युवा चेहरे को आगे रखने से रणनीतियों को धार देने में आसानी भी होती है। ध्यान रहे कि छह अप्रैल 1980 को भारतीय जनता पार्टी बनी थी और नितिन नबीन का जन्म इसके भी करीब दो महीने बाद 23 मई 1980 को हुआ था। यानी जितनी उम्र पार्टी की है, उतनी ही उसके अध्यक्ष की भी। लेकिन इससे भी उनके नाम के चयन का कोई लेना-देना नहीं है। आज की तारीख में भाजपा में आगे रहने की एकमात्र योग्यता मोदी-शाह की पसंद होना है। जिस कांग्रेस पर भाजपा बार-बार परिवारवाद बढ़ाने का आरोप लगाती है। गांधी परिवार के वर्चस्व की आलोचना करती है, वहां स्थिति बिल्कुल अलग है।

भारत के लिए पाकिस्तान से ज्यादा खतरनाक है चीन

– अनिल जैन

चीन का यह रवैया देश के रक्षा मंत्री रहे दिवंगत समाजवादी नेता जॉर्ज फर्नांडीस की उस चेतावनी की याद दिलाता है जिसमें उन्होंने चीन को 'भारत का दुश्मन नंबर-1' करार दिया था। यह बात करीब ढाई दशक पुरानी है। तब भी केंद्र में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की सरकार थी और अटल बिहारी वाजपेयी उसका नेतृत्व कर रहे थे।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से लगातार अपमानजनक व्यवहार और धमकी भरे बयान झेलने के बाद अब भारत की नरेन्द्र मोदी सरकार और सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी एक बार फिर चीन की तरफ आशा भरी निगाहों से देख रही है। चीन के नेताओं से अतीत में किसी मौके पर कांग्रेस और वामपंथी दलों के नेताओं की मुलाकातों को लेकर उन्हें अक्सर 'चीन का एजेंट' और 'देशद्रोही' तक करार देते रहने वाली भाजपा और उसके मार्गदर्शक संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नेताओं ने हाल ही में अपने दिल्ली स्थित मुख्यालय में चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के प्रतिनिधिमंडल से लंबी मुलाकात की है। हैरानी की बात है कि 12 जनवरी को यह मुलाकात हुई, ठीक उसी दिन चीन ने जम्मू-कश्मीर में स्थित शक्सगाम घाटी पर अपने क्षेत्रीय दावे को दोहराते हुए कहा कि -'इस घाटी में जारी चीन की बुनियादी ढांचागत परियोजनाएं पूरी तरह वैध हैं।' इस घटनाक्रम से एक बार फिर इस बात की तसदीक होती है कि भारत की सुरक्षा के लिए चीन ही सबसे बड़ा खतरा है और भाजपा व उसकी सरकार अपनी घरेलू राजनीति और दिशाहीन विदेश नीति के चलते चीन को खतरा मानने के लिए तैयार नहीं है। यह स्थिति तब है जब पिछले एक दशक के दौरान ही चीन ने कभी लद्दाख तो कभी सिक्किम और कभी अरुणाचल प्रदेश पर न सिर्फ अपना दावा जताया है बल्कि उन इलाकों के नाम बदल कर वहां अपनी सैन्य चौकियां भी कायम की हैं। इतना ही नहीं, कुछ महीनों पहले ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के साथ हुए भारत के सैन्य टकराव में भी चीन ने खुल कर पाकिस्तान की मदद की थी।

चीन का यह रवैया देश के रक्षा मंत्री रहे दिवंगत समाजवादी नेता जॉर्ज फर्नांडीस की उस चेतावनी की याद दिलाता है जिसमें उन्होंने चीन को 'भारत का दुश्मन नंबर-1इ करार दिया था। यह बात करीब ढाई दशक पुरानी है। तब भी केंद्र में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की सरकार थी और अटल बिहारी वाजपेयी उसका नेतृत्व कर रहे थे।

मई, 1998 में वाजपेयी सरकार ने पोखरण-2 परमाणु परीक्षण किया था, जिसकी वजह से अमेरिका ने भारत को काली सूची में डाल दिया था। उस विस्फोट के बाद ही एनडीए सरकार के रक्षा मंत्री जार्ज फर्नांडीस ने अपने एक चौंकाने वाले बयान में सामरिक दृष्टि से चीन को भारत का दुश्मन नंबर एक करार दिया था। जार्ज का यह बयान निश्चित ही किन्हीं ठोस सूचनाओं पर आधारित रहा होगा, जो रक्षा मंत्री होने के नाते उन्हें हासिल हुई होगी। लेकिन उनका यह बयान कई लोगों को रास नहीं आया था। उनके ही कई साथी मंत्रियों ने उनके इस बयान पर नाक-भौंह सिकोड़ी थी। आज की तरह उस समय भी कांग्रेस विपक्ष में थी और उसे ही नहीं, बल्कि एनडीए की नेतृत्वकारी भाजपा और आरएसएस को भी जॉर्ज का यह बयान नागवार गुजरा था। वामपंथी दलों को तो स्वाभाविक रूप से जॉर्ज की यह साफगोई नहीं ही सुहा सकती थी, सो नहीं सुहाई थी। यह दिलचस्प था कि संघ और वामपंथियों के रूप में दो परस्पर विरोधी विचारधारा वाली ताकतें इस मुद्दे पर एक सुर में बोल रही थीं, ठीक वैसे ही जैसे दोनों ने अलग-अलग कारणों से 1942 में 'भारत छोड़ो' आंदोलन का विरोध किया था। जॉर्ज के इस बयान के विरोध के पीछे भी दोनों की प्रेरणाएं अलग-अलग थीं। संघी कुनबा जहां अपनी चिर-परिचित मुस्लिम विरोधी ग्रंथि के चलते पाकिस्तान के अलावा किसी और देश को भारत के लिए सबसे बड़ा खतरा नहीं मान सकता था, वहीं वामपंथी दल चीन के साथ अपने वैचारिक बिरादराना

रिश्तों के चलते जॉर्ज के बयान को खारिज कर रहे थे। कई तथाकथित रक्षा विशेषज्ञों और विश्लेषकों समेत मीडिया के एक बड़े हिस्से ने भी इसके लिए जॉर्ज की काफी लानत-मलानत की थी।

जॉर्ज अब इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन चीन को लेकर उनका आकलन समय की कसौटी पर बीते ढाई दशकों के दौरान और खास कर पिछले एक दशक में ही कई बार सही साबित हुआ है। इस समय भी चीन का रवैया जॉर्ज के कहे की तसदीक कर रहा है।

वैसे न तो चीनी खतरा भारत के लिए नया है और न ही उससे आगाह करने वाले जॉर्ज अकेले राजनेता रहे। 2017 में चीन की सेना जब डोकलाम में कई किलोमीटर अंदर तक घुस आई थी, तब संयुक्त मोर्चा सरकार में रक्षा मंत्री रहे मुलायम सिंह यादव ने भी अपने अनुभव के आधार पर चीनी खतरे के प्रति सरकार को आगाह किया था। इस मसले पर लोकसभा में बहस के दौरान मुलायम सिंह ने दो टूक कहा था कि भारत की सुरक्षा को सबसे बड़ा खतरा चीन से ही है और सरकार उसे हल्के में न ले।

दरअसल, चीन ने जब तिब्बत पर कब्जा किया था, तभी से वह भारत के लिए खतरा बना हुआ है। देश को सबसे पहले इस खतरे की चेतावनी राममनोहर लोहिया ने दी थी। तिब्बत पर चीनी हमले को उन्होंने 'शिशु हत्याइ करार देते हुए तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू से कहा था कि वे तिब्बत पर चीनी कब्जे को मान्यता न दे, लेकिन नेहरू ने लोहिया की सलाह मानने के बजाय चीनी नेता चाऊ एन लाई से अपनी दोस्ती को तरजीह देते हुए तिब्बत को चीन का अविभाज्य अंग मानने में जरा भी देरी नहीं की। यह वह समय था जब भारत को आजाद हुए महज 11 वर्ष हुए थे और माओ की सरपरस्ती में चीन की लाल क्रांति भी नौ साल पुरानी ही थी। हमारे पहले प्रधानमंत्री नेहरू तब समाजवादी भारत का सपना देख रहे थे जिसमें चीन से युद्ध की कोई जगह नहीं थी। उधर माओ को पूरी दुनिया के सामने जाहिर करना था कि साम्यवादी कट्टरता के मामले में वे लेनिन और स्टालिन से भी आगे हैं। तिब्बत पर कब्जा उनके इसी मंसूबे का नतीजा था।

इतना सब होने के बावजूद लगभग एक दशक तक भारत-चीन के बीच राजनयिक रिश्ते अच्छे रहे। लेकिन 1960 का दशक शुरू होते-होते चीनी नेतृत्व के विस्तारवादी इरादों ने अंगड़ाई लेनी शुरू कर दी थी और भारत के साथ उसके रिश्ते शीतकाल में प्रवेश कर गए। तिब्बत जब तक आजाद देश था, तब तक चीन और भारत के बीच कोई सीमा विवाद नहीं था, क्योंकि तब भारतीय सीमाएं सिर्फ तिब्बत से मिलती थीं। मगर चीन द्वारा तिब्बत को हथिया लिए जाने के बाद वहां तैनात चीनी सेना भारतीय सीमा का अतिक्रमण करने लगी। उन्हीं दिनों चीन की ओर से जारी किए गए नक्शों से भारत को पहली बार झटका लगा। उन नक्शों में भारत के सीमावर्ती इलाकों के साथ ही भूटान के भी कुछ हिस्से को चीन का भू-भाग बताया गया था। चूंकि इसी दौरान भारत यात्रा पर आए चाऊ एन लाई नई दिल्ली में पंडित नेहरू के साथ 'हिंदी-चीनी, भाई-भाई' का नारा लगाते हुए शांति के कबूतर उड़ा चुके थे, भावुक भारतीय नेतृत्व को भरोसा था कि सीमा विवाद बातचीत के जरिए निपट जाएगा। 1962 का अक्टूबर महीना भारतीय नेतृत्व के भावुक सपनों के ध्वस्त होने का रहा, जब चीन की सेना ने पूरी तैयारी के साथ भारत पर हमला बोल दिया। हमारी सेना के पास मौजूं सैन्य साज-ओ-सामान का अभाव था, लिहाजा भारत को पराजय का कड़ुवा घूंट पीना पड़ा और चीन ने हमारी हजारों वर्ग मील जमीन हथिया ली। इस तरह तिब्बत पर चीनी कब्जे के वक्त लोहिया द्वारा जताई गई आशंका सही साबित हुई। चीन से मिले इस गहरे जख्म के बाद दोनों देशों के रिश्तों पर लगभग डेढ़ दशकों तक बर्फ जमी रही, जो 1970 के दशक के उत्तरार्ध में केंद्र में पहली गैर कांग्रेसी सरकार बनने पर कुछ हद तक हटी। दोनों देशों के बीच एक बार फिर राजनयिक रिश्तों की बहाली हुई। तब से लेकर अब तक दोनों देशों के बीच राजनयिक रिश्ते भी बने हुए हैं और पिछले दो दशकों के दौरान दोनों देशों के बीच व्यापार में 25 गुना से भी ज्यादा इजाफा हुआ है। अब वह 100 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। इस सबके बावजूद चीन के विस्तारवादी इरादों में कोई तब्दीली नहीं आई है। उसके इस रवैये की सबसे बड़ी वजह भारत के राजनीतिक नेतृत्व की कमजोरी है, जो कभी भारतीय सीमा में चीन की घुसपैठ होने से इनकार कर देता है तो कभी कहता है कि चीन के मुकाबले हमारी अर्थव्यवस्था छोटी है, इसलिए उससे नहीं लड़ा जा सकता। अलबत्ता वह कभी-कभी चीनी सामान का बहिष्कार करने और आत्मनिर्भर बनने जैसे शगूफे भी छोड़ता रहता है, जिसे चीनी नेतृत्व खूब समझता है। इस समय भी यही सब हो रहा है।

कांग्रेस आलाकमान को कर्नाटक नेतृत्व संकट जल्द से जल्द सुलझाना चाहिए

– कल्याणी शंकर

जब कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व टालमटोल करता दिख रहा है, तो मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने कैबिनेट विस्तार का प्रस्ताव दिया है। इससे डीकेएस खेमे में गुस्सा भड़क गया, और समर्थकों ने मांग की कि डीकेएसको मुख्यमंत्री बनाया जाए। पांच राज्यों (तमिलनाडु, असम, पश्चिम बंगाल, केरल और पुडुचेरी) में चुनावनजदीक होने के कारण, सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच नेतृत्व की अनसुलझी लड़ाई कांग्रेस की स्थिरता और लोकप्रियता के लिए एक बड़ा खतरा बनकर उभर रही है।

कर्नाटक का राजनीतिक संकट मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के बीच बढ़ते सत्ता संघर्ष में निहित है। बारी-बारी से मुख्यमंत्री बनने की प्रणाली का अनसुलझा सवाल संकट को और गहरा कर रहा है, जिससे कांग्रेस आलाकमान के लिए राज्य को स्थिर करने के लिए जल्द से जल्द निर्णायक कार्रवाई करना महत्वपूर्ण हो गया है।

इस सत्ता संघर्ष की शुरूआत मई 2023 में हुई थी, जब नेतृत्व-साझाकरण समझौते की अटकलें सामने आईं जो अभी भी अनसुलझी हैं। कांग्रेस ने बहुमत हासिल किया और सरकार बनाई।

आंतरिक मतभेदों को दूर करने के लिए, कांग्रेस आलाकमान ने सिद्धारमैया को मुख्यमंत्री और शिवकुमार को उनका उपमुख्यमंत्री नियुक्त किया, इस अफवाह के बीच कि शिवकुमार 2.5 साल बाद पदभार संभालेंगे।

20 नवंबर, 2025 को सिद्धारमैया के 2.5 साल पूरे होने के बाद, शिवकुमार के समर्थकों ने नेतृत्व परिवर्तन की मांग की, लेकिन सिद्धारमैया ने अपना पूरा कार्यकाल पूरा करने पर जोर दिया। डीकेएस ने सार्वजनिक रूप से सीएम सिद्धारमैया को बदलने की किसी भी बात से खुद को दूर कर लिया होगा, लेकिन उनके खेमे ने हार नहीं मानी है। पिछले कुछ हफ्तों से कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन का दबाव बहुत ज्यादा बना हुआ है।

कांग्रेस आला कमान का लगातार अनिर्णय राजनीतिक गतिरोध को बढ़ा रहा है और राज्य की स्थिरता को और खतरे में डाल रहा है।

इसका नतीजा लोगों के लिए कुप्रशासन है। भाजपा भी कांग्रेस पर उचित शासन देने में विफल रहने का आरोप लगा रही है। जब मुख्यमंत्री और उनके उपमुख्यमंत्री के बीच खुली लड़ाई होती है, तो पार्टी दो खेमों में बंट जाती है।

हाल के घटनाक्रम सिद्धारमैया और शिवकुमार को अलग-अलग लेकिन एक-दूसरे के पूरक कांग्रेस नेताओं के रूप में दिखाते हैं - एक के पास बड़े पैमाने पर मतदाताओं का समर्थन है, दूसरा संकटमोचक है। डीकेएस एक संगठनात्मक व्यक्ति हैं। सिद्धारमैया एक अनुभवी नेता हैं जिनका मतदाताओं से सीधा जुड़ाव है, खासकर अल्पसंख्यतरूहिन्दूलिदवरूऔर दलितरू (अहिन्दा)समुदायों (अर्थात अल्पसंख्यकों, पिछड़े वर्गों और दलितों) पर उनकी मजबूत पकड़ है। उन्हें एक सक्षम प्रशासक कहा जाता है। दोनों दावेदार एक-दूसरे से बेहतर बनने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन कर्नाटक में कांग्रेस एक विभाजित घर है। सिद्धारमैयाखेमे ने दूसरी जातियों से उपमुख्यमंत्री और एक नए राज्य पार्टी प्रमुख की नियुक्ति की अपनी मांग फिर से उठाई है।

शिवकुमार खेमे ने मुख्य मंत्री को बदलने की मांग की है, और कांग्रेस आला कमान को सत्ता की साझेदारी के फॉमूर्ले की याद दिलाई है। इस बीच, कांग्रेस आलाकमान फैसला लेने के लिए समय ले रहा है। दोनों में से कोई भी नेता पार्टी को तोड़ सकता है। कोई भी फैसला सोच-समझकर लेना होगा।

मैसूरु और दिल्ली में सिद्धारमैया, शिवकुमार और राहुल गांधी के बीच हाल की मुलाकातों ने शिवकुमार की महत्वाकांक्षाओं और सिद्धारमैया की अपनी स्थिति बनाए रखने की इच्छा को उजागर किया। शिवकुमार ने अपनी महत्वाकांक्षा ऑनलाइन जाहिर की, और सिद्धारमैया ने पार्टी नेतृत्व का सम्मान किया। विपक्ष सरकार गिराने का इंतजार कर रहा है। स्थिति तब और खराब हो गयी जब 19 दिसंबर को सिद्धारमैया ने पद पर बने रहने के अपने इरादे की पुष्टि की, और किसी भी कार्यकाल सीमा से इनकार किया।

सिद्धारमैया ने भाजपा और जनता दल (सिक्युलर) जेडी(एस) के अविश्वास प्रस्ताव के दावों को खारिज कर दिया।

शांति का मुखौटा, सत्ता की रणनीतिः ट्रंप का वैश्विक विरोधाभास

-ललित गर्ग-

नोबेल शांति पुरस्कार की उत्कट अभिलाषा में डूबे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का व्यक्तित्व और कार्यशैली वैश्विक राजनीति के लिए एक गहरी विडंबना एवं विरोधाभास बनकर उभरी है। शांति का मसीहा बनने का उनका दावा जितना आकर्षक दिखता है, उतना ही विरोधाभासी उनके कदमों का यथार्थ है। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में वे जहां शांति स्थापित करने का श्रेय लेना चाहते हैं, वहीं उनके निर्णय, वक्तव्य और नीतियां अक्सर युद्ध, अशांति, भय और अस्थिरता को जन्म देती दिखाई देती हैं। यह कैसी शांति है, जो बमों की गूंज, प्रतिबंधों की मार और नफरत की भाषा के साथ चलती है? यह कैसा शांति-दूत होने का नाटक है, जिसमें मानवता का रक्त बहता रहे और सत्ता अपने हित साधती रहे? गाजा में शांति स्थापना के लिए ट्रंप की प्रस्तावित योजना इसी विरोधाभास का नवीन उदाहरण है। इसे शांति से अधिक व्यापारिक सौदे की तरह प्रस्तुत किया गया, मानो दशकों से हिंसा, विस्थापन और अस्मिता के संकट से जूझ रहे लोगों का भविष्य किसी रियल एस्टेट या आर्थिक पैकेज से तय किया जा सकता हो। अंतरराष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र की भूमिका, स्थानीय जनता की सहमति और जवाबदेही-इन सबको दरकिनार कर शांति थोपने की यह कोशिश बताती है कि ट्रंप की दृष्टि में शांति कोई नैतिक या मानवीय मूल्य नहीं, बल्कि शक्ति-प्रदर्शन और राजनीतिक लाभ का औजार है। इस तरह बमों के साये में शांति का दावा डकोसला ही है, जिसमें शांति का सौदा एवं सत्ता की भूख ही दिखती है। ट्रंप की कथित शांति योजना, शांति के नाम पर वर्चस्व की राजनीति ही है। ऐसा लगता है शब्द अहिंसा के और कर्म हिंसा के है। ट्रंप संयुक्त राष्ट्र को अक्षम, पक्षपाती और नौकरशाही से ग्रस्त बताकर उसकी अवहेलना करते रहे हैं, जबकि सच यह है कि वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए बहुपक्षीय संस्थाओं का ढांचा अनिवार्य है। शक्तिशाली देशों को जब यह ढांचा अपने अनुकूल नहीं लगता, तो वे उसे कमजोर करने लगते हैं-ट्रंप इसी प्रवृत्ति का मुखर चेहरा हैं।

डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रस्तावित नए

वैश्विक शांति संस्थान का विचार अपने आप में जितना आकर्षक शब्दों से सुसज्जित है, उतना ही अपने अंतर्विरोधों में उलझा हुआ भी है। शांति स्थापना के नाम पर एक ऐसी अंतरराष्ट्रीय संस्था खड़ी करने की कोशिश, जो संयुक्त राष्ट्र जैसे स्वीकृत बहुपक्षीय ढांचे को दरकिनार करती हो, वस्तुतः शांति से अधिक सत्ता-केंद्रित वर्चस्व की आकांक्षा को उजागर करती है। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि जिस नेतृत्व की नीतियों का आधार हथियारों के निर्माण और बिक्री, सैन्य गठबंधनों के विस्तार, युद्ध की धमकियों और आर्थिक दंड के जरिये दुनिया पर दबाव बनाना रहा हो, वह अचानक शांति का नया ठेकेदार कैसे बन सकता है? ट्रंप की राजनीतिक सोच में शांति किसी मानवीय प्रतिबद्धता का नहीं, बल्कि सौदेबाजी, नियंत्रण और लाभ का साधन प्रतीत होती है। इसलिए उनके प्रस्तावित शांति संस्थान की उपयोगिता पर गंभीर संदेह खड़ा होता है। बिना वैधता, जवाबदेही और वैश्विक सहमति के खड़ी की गई कोई भी संस्था शांति का वाहक नहीं बन सकती; वह केवल शक्तिशाली देशों की इच्छाओं को थोपने का उपकरण या जरिया ही बनती है। इस संदर्भ में ट्रंप का यह प्रयास शांति की दिशा में एक ठोस पहल नहीं, बल्कि हिंसा-प्रधान नीतियों पर पर्दा डालने और वैश्विक शासन व्यवस्था पर अपनी पकड़ मजबूत करने का एक और षडयंत्र एवं कुचेष्टा ही दिखाई देता है।

ट्रंप की सोच में शांति का अर्थ संघर्षों का समाधान नहीं, बल्कि उन्हें अपने पक्ष में मोड़ना है। कभी वे संयुक्त राष्ट्र के समानांतर इस तरह की एक कथित शांति-व्यवस्था खड़ी करने की बात करते हैं, तो कभी ईरान पर युद्ध की धमकी देते हैं। एक ओर वे यूरोपीय देशों की तारीफ कर अपना प्रभाव जमाने का प्रयास करते हैं, दूसरी ओर उन्हीं देशों पर व्यापारिक प्रतिबंधों और सैन्य खर्च का दबाव डालते हैं। यह दोहरा आचरण और कथनी और करनी का भेद वैश्विक अस्थिरता को बढ़ाता है। शांति की भाषा बोलते हुए हथियारों की बिक्री, सैन्य गठबंधनों का विस्तार और आर्थिक दंड-ये सब उनकी नीतियों के अभिन्न अंग रहे हैं। परिणामस्वरूप दुनिया एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां युद्ध की आहटें तेज हैं और मानवता अस्तित्व के मुहाने पर पहुंचती प्रतीत होती है। गाजा संकट के संदर्भ में यह और भी स्पष्ट हो जाता है कि बिना वैधता, सहमति और जवाबदेही के थोपी गई शांति कभी स्थायी नहीं होती। यदि नागरिकों की सुरक्षा, जीवन की गरिमा और राजनीतिक अधिकारों को नजरअंदाज किया जाए, तो कोई भी समझौता खोखला साबित होगा। ट्रंप का दृष्टिकोण इन मूलभूत सच्चाइयों को अक्सर अनदेखा करता है। आर्थिक वादों को राजनीतिक अधिकारों के विकल्प के रूप में प्रस्तुत करना एक खतरनाक भ्रम है, जो जमीनी वास्तविकताओं के बोझ से ढह जाता है। शांति तभी टिकाऊ हो सकती है जब उसमें स्थानीय लोगों की वास्तविक आवाज शामिल हो, उनके दुख-दर्द को समझा जाए और न्यायपूर्ण समाधान की दिशा में ईमानदार पहल हो।

भारत को गाजा में शांति प्रयासों में शामिल करने का प्रस्ताव भी इसी जटिलता को उजागर करता है। भारत का कूटनीतिक इतिहास बहुपक्षवाद, संयुक्त राष्ट्र की केंद्रीय भूमिका और द्विराष्ट्र सिद्धांत के समर्थन से जुड़ा रहा है। भारत के इस्राइल से अच्छे संबंध हैं, तो अरब देशों में भी उसकी विश्वसनीयता बनी हुई है। लेकिन यदि शांति प्रक्रिया संयुक्त राष्ट्र को दरकिनार करती है।

बसंत पंचमी पर सरस्वती आराधना से गूंजा जनपद, श्रद्धा और भक्ति में डूबा नगर

अखंड भारत संदेश

गाजीपुर। बसंत पंचमी के पावन अवसर पर जनपद भर में आस्था और उल्लास का वातावरण देखने को मिला। विद्या, कला और संगीत की अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती की आराधना से नगर से लेकर ग्रामीण अंचल तक भक्तिमय हो उठा। प्रातःकाल से ही विभिन्न मोहल्लों, शिक्षण संस्थानों तथा थानाझकोतवाली क्षेत्र में स्थापित मां सरस्वती की प्रतिमाओं का विधि-विधान से अनावरण कर पूजन-अर्चन किया गया।पीत वस्त्र धारण किए छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और श्रद्धालुओं ने मां वीणावादिनी की आराधना कर विद्या, विवेक और सद्बुद्धि का आशीर्वाद मांगा। पूजन के दौरान वैदिक मंत्रोच्चार, शंखनाद और आरती की मधुर ध्वनियों से वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर हो गया। श्रद्धालुओं ने पुष्पांजलि अर्पित कर मां के चरणों में

अपनी श्रद्धा निवेदित की।नगर में स्थापित विभिन्न पूजा पंडालों में रामचरितमानस का संगीतमय अखंड पाठ श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ प्रारंभ हुआ। भजनों और चौपाइयों से वातावरण भक्तिरस में डूबा रहा। आयोजकों के अनुसार अखंड पाठ 24 घंटे तक निरंतर चलेगा।

चेकिंग के दौरान अवैध तमंचा व कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार, पुलिस की तत्परता से टली अनहोनी

अखंड भारत संदेश

गाजीपुर। अपराध और अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना कोतवाली मुहम्मदाबाद पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक युवक को अवैध तमंचा और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार कर संभावित वारदात को समय रहते टाल दिया।पुलिस के अनुसार, गुरुवार को उपनिरीक्षक अरविन्द कुमार अपनी टीम के साथ क्षेत्र में चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान महादेवा मंदिर के पास संदिग्ध

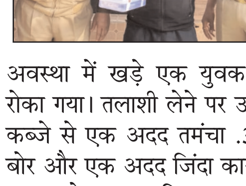

अवस्था में खड़े एक युवक को रोका गया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से एक अदद तमंचा .315 बोर और एक अदद जिंदा कारतूस .315 बोर बरामद किया गया।

गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान राहुल पटेल पुत्र जोगी पटेल के रूप में हुई है।

व्यापारी के बेटे की अपहरण के बाद हत्या, एक अपहरणकर्ता मुठभेड़ में ठेर

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिले के बरगढ़ कस्बे में कपड़ा व्यापारी के बेटे को अगवा करने के बाद शातिरों ने 40 लाख रुपये की फिरौती मांगी तथा रकम न मिलने पर बच्चे की गला घोंटकर हत्या कर दी और शव को बाथरूम में दफन कर दिया। शव बरामद होने के बाद आक्रोशित व्यापारियों ने झांसी-मिर्जापुर नेशनल हाईवे में जाम लगा दिया। पुलिस की तलाश के दौरान हुई मुठभेड़ में एक आरोपी को मार गिराया, जबकि दूसरा पैर में गोली लगने से घायल हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बरगढ़ बाजार निवासी कपड़ा व्यापारी अशोक केशरवानी का 13 वर्षीय पुत्र आयुष केशरवानी बीते गुरुवार की शाम कोचिंग पढ़ने गया था, लेकिन वापस नहीं लौटा। परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरू की। रात 8:45 बजे परिजनों को फोन आया और आरोपियों ने 40 लाख रुपये की फिरौती मांगी है। बेटे के अगवा होने की जानकारी परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद पुलिस ने आयुष की तलाश में सीसीटीवी फुटेज और अन्य सबूत खंगालने शुरू किए। जांच में पाया गया कि आयुष को कल्लू उर्फ साहवे ईमान निवासी कटरा चैराहा, कर्मा, थाना घूरपुर, जनपद प्रयागराज के साथ बाइक में बैठा देखा गया था। जिसके बाद पुलिस ने कल्लू के ठिकाने पर छापा मारा, जहां बाथरूम में आयुष का शव बरामद हुआ। शव मिलने के बाद कस्बे में तनावपूर्ण हालात बन गए। तलाश के दौरान शुक्रवार की सुबह परानूबाबा के जंगल में पुलिस की आरोपियों से मुठभेड़ हुई, जिसमें गोली लगने से आरोपी कल्लू की मौत हो गई, वहीं दूसरे आरोपी इरफान अंसारी पैर में गोली लगने से घायल हो गया। वारदात में शामिल एक अन्य शातिर अभी फरार है, जिसकी पुलिस तलाश कर रही है। कल्लू और इरफान बरगढ़ कस्बे में बक्शा बेचने की दुकान चलाते थे। शुरूआत में उन्होंने कपड़ा कारोबारी अशोक केशरवानी के मकान में किराए पर दुकान ली थी। 25 हजार रुपये किराया न देने पर व्यापारी और उनके बीच विवाद हुआ। इसके बाद अशोक केशरवानी ने दुकान खाली करा ली थी। इसी विवाद के चलते योजना बनाकर वारदात को अंजाम दिया गया। इस सम्बन्ध में एएसपी सत्यपाल सिंह ने बताया कि कल्लू बाइक पर बैठाकर आयुष को अपने साथ ले गया था। आयुष को बाइक चलाने का शौक था, जिसे सिखाने के बहाने वह उसे ले गया।

श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया बसंत पंचमी का पर्व

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। ज्ञान, विद्या और कला की अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती की आराधना का पावन पर्व बसंत पंचमी शुक्रवार को पूरे जिले में श्रद्धा, आस्था और उल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान विद्यालयों और शिक्षण संस्थानों में पीले वस्त्र धारण कर श्रद्धालुओं ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प, अक्षत, वंदन एवं पीले पुष्प अर्पित कर विद्या, विवेक और सद्बुद्धि की कामना की।

बसंत पंचमी के अवसर पर वातावरण पूरी तरह बसंती रंग में रंगा नजर आया। नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सरस्वती पूजा पंडालों में भजन-कीर्तन, वंदना और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। विद्यालयों में विशेष प्रार्थना सभाएं हुईं, जहां छात्र-छात्राओं ने सरस्वती वंदना, कविता पाठ और सांस्कृतिक

प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय में बसंत पंचमी के अवसर पर हवन-पूजन, आरती और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कुलगुरु प्रो आलोक चैबे ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विद्या दायिनी मां सरस्वती की पूजा-अर्चना की। आचार्य राजेन्द्र तिवारी ने हवन-पूजन के दौरान बसंत पंचमी पूजा के महत्व को साझा किया। पूजा के बाद सभी को प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम का संयोजन प्रो साधना चैरसिया द्वारा किया गया।

विद्वानों एवं धर्माचार्यों ने बताया कि बसंत पंचमी भारतीय संस्कृति में ज्ञान, सृजन और नवचेतना का प्रतीक पर्व है। इसी दिन से ऋतु परिवर्तन की शुरूआत होती है और प्रकृति में नवजीवन का संचार होता है। खेतों में सरसों की पीली फसल, पेड़ों पर नई कोंपलें और चारों ओर खिला-खिला वातावरण बसंत के आगमन का संदेश देता है।

हृदय की पवित्रता ही मन को बना देती है मंदिर : अमृत दास

चित्रकूट। धर्मनगरी स्थित अखिल भारतीय पंच रामानंदीय खाकी अखाड़ा तरौहां में श्रीमद्भागवत कथा के आयोजन के अवसर पर कथा व्यास महंत अमृत दास ने कहा कि हृदय की पवित्रता ही मन को मंदिर बना देती है। जहां पर दिव्यता है, वहीं देव है, जहां भाव है, वहां भगवान है तथा जहां प्रेम है, वहां परमेश्वर है।

कथा व्यास ने कहा कि मनुष्य के जीवन में सुख व दुःख दोनों आवश्यक है। जिनका हृदय पवित्र होता है, उन्हें ईश्वर को दूसरी जगह खोजने की जरूरत नहीं है। ईश्वर स्वयं उनको खोज लेता है। मनुष्य को संसार के पदार्थों को, धन-संपत्ति को और विषय को क्षणभंगुर, नासवान और दुःख मान कर मन को उससे हटाना चाहिए। सब कुछ भगवान का समझ कर श्रद्धाभक्तिपूर्वक मन, वाणी और शरीर से सब प्रकार भगवान के शरण में होकर उनके स्वरूप का चिंतन करते हुए चिंताओं का परित्याग कर देना चाहिए। इस कलियुग में केवल भगवान के नाम का संकीर्तन करने से ही मनुष्य संसारिक बंधन से मुक्त होता है और सारी आसक्तियां छूट जाती है।

संगीत प्रस्तुतियों ने आनंदेश्वरम् अकादमी के बच्चों ने रौशन किया चित्रकूट का नाम

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित संस्कृति उत्सव 2026 के अंतर्गत विभिन्न सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में जिला मुख्यालय की आनंदेश्वरम् संगीत अकादमी के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर तहसील, जिला, मंडल एवं राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर जनपद को गौरवान्वित किया है। विद्यार्थियों की इस उल्लेखनीय उपलब्धि से जिले में हर्ष और गर्व का माहौल है।

संस्कृति उत्सव के दौरान संगीत, शास्त्रीय गायन, वादन एवं अन्य सांस्कृतिक विधाओं में आयोजित प्रतियोगिताओं में अकादमी के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा, साधना और अनुशासन का परिचय देते हुए निर्णायक मंडल को प्रभावित किया। आनंदेश्वरम् संगीत अकादमी के संस्थापक एवं संगीताचार्य विनय पांडेय ने बताया कि अकादमी के 50 से अधिक विद्यार्थियों ने विभिन्न आयु वर्गों और श्रेणियों में संगीत प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग किया। विद्यार्थियों ने तहसील, जिला, मंडल एवं राज्य में प्रथम स्थान हासिल कर जनपद का नाम रोशन किया है।

कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की निरंतर मेहनत का परिणाम है। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर जनप्रतिनिधियों, शिक्षाविदों, कला प्रेमियों एवं अभिभावकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। संस्कृति उत्सव 2026 के माध्यम से प्रदेश सरकार द्वारा लोक कला, संगीत और सांस्कृतिक प्रतिभाओं को मंच प्रदान किया गया, जिसमें चित्रकूट के विद्यार्थियों ने अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराते हुए प्रदेश स्तर पर जिले का मान बढ़ाया।

चित्रकूट में छात्र आयुष की हत्या, इलाके में तनाव गुस्साए व्यापारियों ने हाईवे पर किया प्रदर्शन

चित्रकूट। चित्रकूट के बरगढ़ कस्बे में सातवीं कक्षा के छात्र आयुष की हत्या की खबर फैलते ही इलाके में तनाव फैल गया। इस घटना के बाद गुस्साए व्यापारियों ने हाईवे पर इकट्ठा होकर प्रदर्शन किया। भीड़ में हत्या के बदले हत्या और आरोपी इरफान को गोली मारने की मांग उठने लगी।

पुलिस मुठभेड़ में घायल आरोपी इरफान को इलाज के लिए प्रयागराज ले जाया जा रहा था। इस दौरान इरफान के चेहरे पर डर साफ दिखाई दे रहा था। उसने पुलिस को बताया कि इस मामले में उसका कोई हाथ नहीं है, बल्कि उसकी दुकान में काम करने वाले कल्लू ने आयुष का अपहरण किया था।

पुलिस जांच में सामने आया कि बरगढ़ कस्बे के पास सातवीं कक्षा के छात्र आयुष का अपहरण करने के बाद उसकी हत्या कर दी गई थी। घटना के बाद से फरार चल रहे

आरोपी इरफान ने खुद को बचाने के लिए पूरी साजिश का आरोप कल्लू पर लगा दिया। हालांकि, पुलिस मुठभेड़ के दौरान कल्लू को गोली लग गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, आरोपी इरफान गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे प्रयागराज के स्वरूप रानी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने बताया कि प्रयागराज जिले के शंकरगढ़ क्षेत्र निवासी इरफान और कल्लू बरगढ़ के किला चौराहा के पास आयुष के पिता की किराए की दुकान में बॉक्स आदि बनाने का काम करते थे। कल्लू वहां मिस्त्री के तौर पर कार्यरत था। दिसंबर माह में काफी रकम बकाया होने के चलते दुकान खाली करा ली गई थी।

पुलिस को आशंका है कि इसी रंजिश के चलते आरोपियों ने इस खौफनाक वारदात को अंजाम देने की साजिश रची होगी। इस मामले में एक आरोपी कल्लू की मौत हो चुकी है, जिसके खिलाफ पहले से भी कई आपराधिक मुकदमे दर्ज बताए जा रहे हैं।

वहीं, इरफान खुद को बचाने की कोशिश में लगातार अपने बयान बदल रहा है। पुलिस का कहना है कि पूरे मामले में कानूनी कार्रवाई जारी है और सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है।

डीएम के स्थानांतरण के बाद ठंडे बस्ते में चली गई मटदर की सड़क

चित्रकूट। पाठा क्षेत्र मडैयन में स्थित मटदर के भैरम बाबा में रास्ता न बना होने से श्रद्धालु हलाकान होते हैं। सीएम के निर्देश पर तत्कालीन डीएम शुभ्रांत कुमार शुक्ला ने रास्ते का मौका मुआयना किया था, लेकिन उनके स्थानांतरण के बाद मामला ठंडे बस्ते में चला गया। बुंदेली सेना ने जिलाधिकारी से समस्या निराकरण की मांग की है।

बुंदेली सेना के जिलाध्यक्ष अजीत सिंह ने बताया कि मटदर के भैरम बाबा दर्जनों गाँव के लाखों भक्तों के लिए आस्था का बड़ा केंद्र हैं। यहां पिछले कार्यकाल में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मटदर वन ब्लाक में वृक्षारोपण की शुरुआत की थी और यहीं कोदंड वन भी स्थापित किया था, उसी समय सीएम के निर्देश पर तत्कालीन डीएम शुभ्रांत कुमार शुक्ला ने भैरम बाबा मंदिर तक पहुंचे और रास्ते का अवलोकन किया, लेकिन फिर उनके स्थानांतरण के साथ ही सड़क का मामला ठंडे बस्ते में चला गया। वर्ष पर्यंत यहां श्रद्धालुओं की आवाजाही रहती है, लेकिन भादों महीने में मेला का आयोजन होता है। सेहरिन से लेकर मटदर तक तकरीबन तीन किमी. वन क्षेत्र में पगडंडी के सहारे श्रद्धालु भैरम बाबा के स्थान पर पहुंचते हैं। साथ ही रास्ते में एक पहाड़ी नाले को भी पार करना पड़ता है। बुंदेली सेना ने जिलाधिकारी पुलकित गर्ग से गांव से मटदर के भैरम बाबा तक सड़क निर्माण कराये जाने की मांग की है।

चित्रकूट में हवाई हमले से बचाव का अभ्यास, सायरन बजते ही बिजली गुल, लोग भागकर सुरक्षित जगह पहुंचे

चित्रकूट। चित्रकूट में उत्तर प्रदेश दिवस और नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर एक ब्लैकआउट मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। यह अभ्यास चित्रकूट इंटर कॉलेज में सायंकाल छह बजे संपन्न हुआ, जिसका मुख्य उद्देश्य जनपद में संभावित हवाई हमले जैसी आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने और जनसुरक्षा सुनिश्चित करने की तैयारी करना था।

शासन के निर्देशानुसार आयोजित इस ड्रिल के दौरान, ब्लैकआउट सायरन बजते ही निर्धारित क्षेत्रों की विद्युत आपूर्ति पूरी तरह बंद कर दी गई। सायरन सुनकर नागरिकों को सुरक्षित स्थानों या शेल्टरों में शरण लेने का अभ्यास कराया गया। खतरा समाप्त होने का संकेत देने के लिए दो मिनट तक एक समान ऊंची आवाज में सायरन

बजाया गया, जिसके बाद जनजीवन सामान्य होने का अभ्यास किया गया। हमले के काल्पनिक परिदृश्य के बाद, स्वयंसेवकों और फायर सर्विस ने आग बुझाने, घायलों को प्राथमिक चिकित्सा देने और मलबे से लोगों को निकालने का अभ्यास भी किया।

इस महत्वपूर्ण अभ्यास की तैयारियों को लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में एक उच्च स्तरीय बैठक पहले ही संपन्न हो चुकी थी। जिलाधिकारी ने नागरिकों से अपील की कि नागरिक सुरक्षा के अंतर्गत आयोजित यह मॉक ड्रिल जनसुरक्षा और आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की तैयारी के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उत्तर प्रदेश दिवस की तैयारियां शुरू, जिलाधिकारी ने भव्य आयोजन के लिए अधिकारियों को दिए निर्देश

चित्रकूट। चित्रकूट जिलाधिकारी पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में उत्तर प्रदेश दिवस समारोह की तैयारियों की समीक्षा बैठक हुई। यह समारोह 24 से 26 जनवरी तक आयोजित किया जाएगा। डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश की संस्कृति और उपलब्धियों को दर्शाने वाले इस आयोजन को भव्यता और गरिमा के साथ संपन्न किया जाए। उत्तर प्रदेश दिवस का आयोजन सोनेपुर स्थित ऑडिटोरियम भवन में होगा। जिलाधिकारी ने पूरे आयोजन के दौरान मिलेट्स (मोटे अनाज) को विशेष प्राथमिकता देने पर जोर दिया। उन्होंने जिला कृषि अधिकारी को निर्देश दिए कि कृषि विभाग मिलेट्स के स्टॉल लगाए और मिलेट्स उत्पादों

की बिक्री के लिए एक समर्पित कैंटीन की व्यवस्था भी करें। उपायुक्त उद्योग को ओडीओपी (एक जिला एक उत्पाद) से संबंधित स्टॉल अनिवार्य रूप से लगाने के निर्देश दिए गए। अतिथियों के स्वागत में बुके के बजाय ओडीओपी से निर्मित उपहार भेंट किए जाएंगे। कार्यक्रम में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को भी आमंत्रित किया जाएगा।

सभी संबंधित विभागों को समय-सीमा के भीतर प्रदर्शनी और स्टॉल लगाने, साथ ही अपनी विभागीय योजनाओं का प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए गए हैं। विभिन्न प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने वाले लाभार्थियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए जाएंगे। मुख्य विकास अधिकारी डीपी पाल को ऑडिटोरियम के बाहर फॉर्म-6 की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया, ताकि पात्र व्यक्ति मौके पर ही अपना पंजीकरण करा सकें। जिलाधिकारी ने आयोजन में स्वच्छता, व्यवस्था और अनुशासन का विशेष ध्यान रखने पर भी जोर दिया।

ग्रीनलैंड को सिर्फ अमेरिका बचा सकता है, पुतिन-जिनपिंग का नाम लेकर ट्रंप ने दावोस में किया बड़ा दावा

अमेरिका

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावोस में विश्व आर्थिक मंच को संबोधित करते हुए अपने भाषण की शुरूआत अमेरिका में हुई महत्वपूर्ण आर्थिक उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए की। ट्रंप ने दावोस में कहा कि मुझे चुनकर अमेरिकी जनता बहुत खुश है, दो साल पहले हम एक मृत देश थे, लेकिन अब हम फिर से जीवित हो गए हैं। यूरोप में कुछ स्थान तो पहचाने जाने लायक भी नहीं हैं; मुझे यूरोप से प्यार है, लेकिन यह सही रास्ते पर नहीं चल रहा है। हम दूसरे देशों द्वारा किए गए नुकसान की भरपाई के लिए उन पर बढ़ा रहे हैं कर। हमने कुछ बेहतरीन व्यापार समझौते किए हैं; हर कोई जानता है कि जब अमेरिका बढ़ता है तो आप भी बढ़ेंगे। उन्होंने आय स्तर में सुधार और मुद्रास्फीति में कमी का जिक्र करते हुए इसे सभी देशों के लिए अच्छा बताया।

ट्रम्प ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था के वैश्विक प्रभाव पर जोर देते हुए कहा कि अमेरिका इस ग्रह पर सभी देशों का आर्थिक इंजन है। जब अमेरिका में आर्थिक उछाल आता है, तो पूरी दुनिया में उछाल आता है। जब हालात बिगड़ते हैं। तो आप सभी का पतन होता है। ट्रम्प ने यूरोप से अमेरिका जैसी नीतियां अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मुझे यूरोप से प्यार है और मैं यूरोप

को तरक्की करते देखना चाहता हूं, लेकिन यह सही दिशा में नहीं बढ़ रहा है। ट्रम्प ने यूरोप के बढ़ते सरकारी खर्च, प्रवासन नियमों और व्यापार नीतियों की आलोचना करते हुए दावा किया कि इन फैसलों ने महाद्वीप के कुछ हिस्सों को ह्लपहचान से परेह्व बना दिया है। उन्होंने आगे कहा कि यूरोप को अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए वही करना चाहिए जो हम कर रहे हैं।

दावोस में डब्ल्यूईएफ की वार्षिक बैठक में डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका के लगातार दबाव के बाद वेनेजुएला ने वाशिंगटन के साथ समझौता करने में तेजी दिखाई। ट्रम्प ने दावा किया कि दक्षिण अमेरिकी देश अब आने वाले महीनों में पिछले दो दशकों की तुलना में अधिक धन अर्जित करने की स्थिति में है। उन्होंने तर्क दिया कि वेनेजुएला की पिछली आर्थिक नीतियां खराब थीं और अमेरिका के दबाव के कारण दृष्टिकोण में बदलाव आया। ह्लहमला खत्म होने के बाद, उन्होंने कहा, चलो एक समझौता करते हैं। और भी लोगों को ऐसा करना चाहिए।

इससे पहले विमान में मामूली तकनीकी समस्या के कारण दूसरे विमान में सवार होने के लिए उन्हें वाशिंगटन लौटना पड़ा था। व्हाइट हाउस ने कहा कि देर से पहुंचने से स्विस आल्प्स में आयोजित होने वाले मंच पर उनके निर्धारित भाषण में कोई देरी नहीं होगी। ट्रंप दावोस में अंतरराष्ट्रीय मंच पर डेनमार्क और सात अन्य सहयोगी देशों पर भारी अमेरिकी आयात कर लगाने की धमकी देने के बाद नजर आए। ट्रंप ने कहा कि शुल्क अगले महीने से 10 प्रतिशत से शुरू होंगे और जून में बढ़कर 25 प्रतिशत हो जाएंगे। ये दरें इतनी अधिक होंगी कि लागत में वृद्धि होगी और विकास धीमा होगा, जिससे जीवन यापन की उच्च लागत को कम करने संबंधी ट्रंप के प्रयासों को संभावित रूप से नुकसान पहुंच सकता है। इस बीच, यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उसुर्ला वॉन डेर लेयेन ने चेतावनी दी कि अगर ट्रंप टैरिफ के साथ आगे बढ़ते हैं, तो आयोग की प्रतिक्रिया ह्यह्यअडिग, एकीकृत और उसी के अनुरूप होगी।

सिंधु नदी प्रणाली पर भारत के रुख से घबराया पाकिस्तान

पाकिस्तान

पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र को चेतावनी दी है कि भारत द्वारा सिंधु जल संधि को स्थगित करने के निर्णय से उसकी जल सुरक्षा के लिए एक अभूतपूर्व संकट उत्पन्न हो गया है और क्षेत्रीय स्थिरता को खतरा पैदा हो सकता है। इस्लामाबाद की यह चिंता दोनों पड़ोसी देशों के बीच बढ़ते तनाव के बीच आई है, जहां पाकिस्तान के अधिकारी इस कदम को महत्वपूर्ण जल संसाधनों तक उसकी पहुंच को चुनौती देने के व्यापक प्रयास का हिस्सा बता रहे हैं। कनाडा और संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय जल नीति बैठक में संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के राजदूत उस्मान जादून ने नई दिल्ली की कार्रवाई को जल का शस्त्रीकरण बताया। उन्होंने भारत पर 1960 की संधि का उल्लंघन करने का आरोप लगाया एक ऐसा समझौता जिसे लंबे समय से सिंधु नदी प्रणाली के प्रबंधन और बंटवारे के लिए एक विश्वसनीय ढांचा माना जाता रहा है।

जादून ने आरोप लगाया कि भारत के हालिया आचरण में नीचे की ओर जल प्रवाह को बिना पूर्व सूचना के बाधित करना और महत्वपूर्ण जलवैज्ञानिक डेटा को छिपाना शामिल है। उन्होंने दावा किया कि इन कार्रवाइयों ने पाकिस्तान के लिए जल आपूर्ति को और अधिक अनिश्चित बना दिया है, जो कृषि और रोजमर्रा की जिंदगी के लिए सिंधु बेसिन पर काफी हद तक निर्भर है। मूल संधि के तहत, भारत को पूर्वी नदियों (सतलुज, ब्यास और रावी) के असीमित उपयोग का अधिकार है, जबकि पाकिस्तान पश्चिमी नदियों (सिंधु, झेलम और चिनाब) के प्रवाह पर निर्भर है। लेकिन पिछले साल अप्रैल से, जब भारत ने पाकिस्तान के साथ बाढ़ की चेतावनी और महत्वपूर्ण मौसमी जल डेटा साझा करना बंद कर दिया, तब से इस्लामाबाद का कहना है कि उसे जल स्तर का अनुमान लगाने और कृषि आवश्यकताओं की प्रभावी ढंग से योजना बनाने में कठिनाई हो रही है। जादून ने इस बात पर जोर दिया कि पाकिस्तान के लिए जल असुरक्षा कोई सैद्धांतिक समस्या नहीं है, बल्कि यह एक वास्तविक वास्तविकता है। उन्होंने देश की अर्ध-शुष्क जलवायु, तीव्र जनसंख्या वृद्धि, ग्लेशियरों का पिघलना, सूखा और बाढ़ के चक्रों को उन कारकों के रूप में बताया जो पहले से ही जल प्रणालियों पर दबाव डाल रहे हैं।

हाथों को थोड़ा राउंड घुमाके, आंखों पर नीला चश्मा चढ़ाकर, मैक्रों ने ट्रंप को समझाई बर्दाश्त की हद

अमेरिका

क्या अमेरिका का राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप पूरी तरह से अब दादागिरी और हिटलर शाही पर उतर आए हैं? अब तो हदें पार कर रहे हैं। अमेरिका और फ्रांस के बीच तक अब जंग जैसे हालात बन रहे हैं। और उधर पूरे नाटो और पूरे यूरोप से तो जंग के हालात लगातार बना ही रहे हैं। अपनी जिद के आगे ट्रंप किसी की सुनने को तैयार नहीं है। यह बात तो जगजाहिर हो गई है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रो को पसंद नहीं करते। यही वजह है कि मंच कोई भी हो वो मैक्रो की बेइज्जती से पीछे नहीं हटते। कभी वो मैक्रो के कुर्सी से उतर जाने की बात कहते हैं तो कभी वो मैक्रो के पर्सनल व्हाट्सएप चैट को पब्लिक फोरम पर पोस्ट कर देते हैं। इस बात से अब मैक्रों नाराज हैं। मैक्रों ट्रंप की तरह नाम तो नहीं ले रहे हैं लेकिन निशाने पर वो ट्रंप और अमेरिका को ही रख रहे हैं। उन्होंने दावोस में इकोनॉमिक फोरम पर साफ तौर पर यह कहा कि अब जरूरी यह है कि यूरोप अपने सम्मान को बचाए और जो लोग एक तरह से वर्ल्ड ऑर्डर चेंज करने की कोशिश कर रहे हैं और जिस तरह से यूरोप को अपमानित किया जा रहा है उसके खिलाफ उचित कदम उठाया जाना चाहिए।

मैक्रो ने साफ तौर पर अपने भाषण में जिस तरह से बुली शब्द का इस्तेमाल किया वह साफ तौर पर अमेरिकी राष्ट्रपति की तरफ इशारा करता है। उन्होंने यह भी कहा है कि अब जहां जरूरत ताकत की हो वहां यूरोप ताकत से जवाब दे और जैसी स्थिति हो वैसे हालात पर वो काम करें। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि ग्रीनलैंड पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शुल्क संबंधी धमकियों के सामने यूरोपीय संघ (ईयू) को व्यापार समूह के दबाव विरोधी तंत्र का उपयोग करने में

हिचकिचाना नहीं चाहिए। स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) में अपने संबोधन में मैक्रों ने आक्रामक अमेरिकी व्यापार दबाव और नए शुल्क के अंतहीन संचय का विरोध किया। उन्होंने कहा कि दबाव विरोधी तंत्र एक शक्तिशाली साधन है और हमें आज के कठिन माहौल में इसका उपयोग करने में संकोच नहीं करना चाहिए।

वही ग्रीनलैंड जिस पर कब्जे की ख्वाहिश ट्रंप रखते हैं और बार-बार यह कह रहे हैं कि आज नहीं तो कल हम ग्रीनलैंड पर अपना कब्जा कर ही लेंगे। उसे लेकर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनबल मैक्रों का कहना है कि हमने यह तय किया है कि ग्रीनलैंड पर अब हम मिलिट्री एक्सरसाइज करेंगे और यह किसी और को धमकी नहीं होगी बल्कि यूरोपियन देशों की एकता के लिए होगी। ग्रीनलैंड एक नया क्षेत्र है जहां दोनों देशों के बीच टकराहट साफ तौर पर दिख रही है। वहीं गाजा पीस प्लान को लेकर भी दोनों देश एक दूसरे से टकरा चुके हैं। अब ऐसे में आने वाले दिनों में मैक्रो और ट्रंप की लड़ाई किस तरफ जाती है, यह देखना होगा।

फिलहाल दोनों नेता एक दूसरे की धज्जियां उड़ाने में जुटे हुए हैं।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने इस सप्ताह पेरिस में यूरोपीय नेताओं की एक आपात बैठक बुलाने का आह्वान किया है, जिसमें ग्रीनलैंड को हासिल करने की ट्रंप की कोशिशों और शुल्क (टैरिफ) को लेकर अमेरिका के साथ बढ़ते तनाव पर चर्चा की जानी है।

पुतिन के हमले से पहले सरपंच बन रहे ट्रंप को छोड़ दिल्ली भागे जेलेंस्की

यूक्रेन

दुनिया भर में सीजफायर के सरपंच बनकर घूम रहे अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को एक जोरदार झटका लगा है। सबसे मजेदार बात यह है कि ट्रंप का सपना और दावा भारत चकनाचूर करने वाला है। रूस यूक्रेन युद्ध के सीज फायर को लेकर ट्रंप कई सारे दावे कर चुके हैं। लेकिन पुतिन की शर्तों के आगे उनकी एक भी नहीं चली। और अब यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलस्की भारत आने वाले हैं और वह भी पीएम मोदी से मिलने जिसकी खबर बाहर आते ही वाइट हाउस में सन्नाटा पसर गया है। हाल ही में

रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने भारत का दौरा किया जिसके बाद अब खुद यूक्रेनी राजदूत ने यह खुलासा किया है कि जेलस्की भारत आने वाले हैं और पीएम मोदी से मिलने वाले हैं। याद दिला दें कि पीएम मोदी ने पुतिन के साथ बैठक में यूक्रेन युद्ध का जिक्र करते हुए यह कहा था कि भारत यूक्रेन युद्ध पर न्यूट्रल नहीं है। हम लोग शांति के समर्थक हैं और चाहते हैं ।

US Invasion के डर से सेना ने बनाया 'मुजाहिदीन' वॉर मॉडल

कनाडा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा कनाडा को अपने साथ मिलाने और उसे 51वां राज्य बनाने के घोषित इरादे के मद्देनजर, ग्लोब एंड मेल के अनुसार, कनाडाई सेना ने एक काल्पनिक अमेरिकी आक्रमण का मॉडल तैयार किया है और यह भी बताया है कि सैनिक और नागरिक दोनों मिलकर कैसे जवाबी कार्रवाई कर सकते हैं। अपने दूसरे कार्यकाल में ट्रम्प ने एक निर्भीक विस्तारवादी एजेंडा अपनाया है और कनाडा, डेनमार्क के ग्रीनलैंड द्वीप और पनामा नहर जैसे कई देशों और क्षेत्रों को अपने कब्जे में लेने की

कसम खाई है। उन्होंने खुद को वेनेजुएला का कार्यवाहक राष्ट्रपति भी घोषित किया है।

हालांकि कई लोगों ने शुरू में ऐसे दावों को कम करके आंका, लेकिन वेनेजुएला पर अमेरिकी आक्रमण ने इस बात की चिंता बढ़ा दी है कि ट्रंप वास्तव में कनाडा या ग्रीनलैंड पर सैन्य कार्रवाई कर सकते हैं - ये दोनों नाटो के सदस्य हैं। ग्लोब एंड मेल के अनुसार, मॉडलिंग में सैन्य योजनाकारों ने पाया कि आक्रमणकारी अमेरिकी सेना एक सप्ताह के भीतर और संभवतः दो दिनों में ही कनाडा के रणनीतिक जमीनी और समुद्री ठिकानों पर कब्जा कर सकती है। मॉडलिंग से पता चला कि कनाडा कब्जे वाली अमेरिकी सेना से लड़ने के लिए गुरिल्ला युद्ध का सहारा लेगा। अमेरिका और कनाडा न केवल नाटो के सहयोगी हैं, बल्कि उनके बीच द्विपक्षीय गठबंधन भी है। दोनों देश द्विपक्षीय उत्तरी अमेरिकी अंतरिक्ष रक्षा कमान (नोराड) के माध्यम से संयुक्त रूप से उत्तरी अमेरिकी हवाई क्षेत्र की रक्षा करते हैं।

भारत-चीन को साथ लेकर दोस्त रूस ने बनाया ऐसा तगड़ा प्लान

चीन

अब वो वक्त दूर नहीं है जब ट्रंप की हरकतों की वजह से अमेरिका अपनी बबार्दी खुद देखेगा। जिसकी तैयारी शुरू हो गई है। इस वक्त दुनिया भर के देश अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप की तानाशाही और दादागिरी से परेशान हैं। सुपर पावर की सनक में ट्रंप किसी भी देश को झुकाने के लिए उस पर दबाव डालने लग जाते हैं और जो देश उनके हिसाब से नहीं चलता उसमें वो तख्ता पलट कराने की कोशिशों में जुट जाते हैं। टैरिफ तो उन्होंने ऐसा हथियार बना लिया है कि बातबात पर उसकी धमकी देते रहते हैं। ऐसे में हर कोई चाहता है कि धमकीबाज ट्रंप की इन हरकतों से कैसे

छुटकारा मिले। वैसे तो ट्रंप के खिलाफ अब यूरोप के देशों ने भी मोर्चा खोल दिया है। लेकिन अभी भी दुनिया की निगाह उन तीन महाशक्तियों पर है जो ट्रंप का अच्छा खासा इलाज कर सकती हैं। वो महाशक्तियां हैं भारत, रूस और चीन। जहां रूस अभी यूक्रेन युद्ध में उलझा हुआ है और मौके के साथ ही ट्रंप को भी सबक सिखा रहा है।

चीन भी अमेरिका को कुछ हद तक टक्कर दे रहा है। लेकिन भारत इन दिनों ट्रंप को खुलेआम चुनौती दे रहा है। भारत को झुकाने के लिए ट्रंप अब तक 50% टेरिफ लगा चुके हैं। और भी टेरिफ लगाने की धमकी दे चुके हैं। लेकिन फिर भी भारत डटकर सामना कर रहा है। ट्रंप के हर हथियार की काट कर रहा है। इसीलिए तो ट्रंप बुरी तरह से बौखलाए हुए हैं। ट्रंप को पता है कि भारत में ना तो तख्तापलट वाली साजिश काम आएगी और ना ही भारत इतना कमजोर है कि टेरे से उसका सब कुछ बर्बाद हो जाएगा। क्योंकि भारत हर मुश्किल में अवसर तलाशने के लिए जाना जाता है। लेकिन अब भारत के दोस्त रूस ने एक ऐसा ऐलान किया है कि जिसने ट्रंप की मुसीबत बढ़ा दी है। दरअसल रूस ने अमेरिका की अकड़ ढीली करने के लिए भारत और चीन को एक साथ आने की अपील की है। रूस के विदेश मंत्री सरगई लावरो ने रिक यानी रूस भारत चीन का त्रिपक्षीय गठबंधन फिर से शुरू करने का आह्वान किया है। जिससे दुनिया को मल्टीपोलर रखा जा सके।

उन्होंने कहा है कि हमें रिक्त त्रिपक्षीय प्रारूप को सक्रिय करने की जरूरत है जो एक तरह से ब्रिक्स की नींव है जो एक बहुवीय दुनिया का एक प्रमुख तत्व है। इससे कुछ महीनों पहले भी रूस इसे एक्टिव करने की अपील कर चुका है। साथ ही चीन भी इसे शुरू करने की भारत के आगे गुहार लगा चुका है। चीनी प्रवक्ता ने तो यहां तक कह दिया था कि रिक गठबंधन भारत, रूस और चाइना के लिए बेहद जरूरी है। चीन, भारत और रूस के साथ यह गठबंधन करने को तैयार है।

रिबन काटा और हो गया 'पोपट'! पिज्जा ने कराई सरेआम बेइज्जती

पाकिस्तान

पाकिस्तानियों को पिज्जा खाने का शौक नया-नया चढ़ा है। लेकिन इन्हें पता ही नहीं इन्हें मिलने वाला पिज्जा इनके पाकिस्तानी हुक्मरानों के दावे की तरह फेक है। पाकिस्तान में महंगाई है। खाने-पीने की चीजों के दाम हाई हैं। लेकिन यूर्स के फर्जी दावे पर मुर्ग मुसल्लम, दावते मुनीर और शहबाज बड़ी डींगे हाकते हैं। लेकिन दूसरे पहलू में पिज्जा ने पूरे पाकिस्तान की किरकिरी करा दी। यूं समझिए इंटरनेशनल बेइज्जती। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ पाकिस्तान के सियालकोट में एक पिज्जा हट का उद्घाटन करने गए थे। मिसाइल रॉकेट तो बन नहीं रहे। सारे तो ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ही फुस्स हो गए। अब पाकिस्तान के रक्षा मंत्री पिज्जा हट का आउटलेट खुलवाने के लिए गली गली घूम रहे हैं। लेकिन यहां भी गजब की बेइज्जती। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री पिज्जा हट के आउटलेट का फीता काटकर घर आ गए। सियालकोट वासियों को खूब बधाई भी दे गए कि अब आवाम को पिज्जा के इंटरनेशनल ब्रांड पिज्जा हट का असली स्वाद मिलेगा। लेकिन कुछ ही देर बाद पिज्जा हट ने जनाब के सपने की धज्जियां उड़ा दी।

पिज्जा हट ने दावा किया कि सियालकोट का आउटलेट फर्जी है।

अब हाल यह है कि रक्षा मंत्री के उद्घाटन वाली फोटो के साथ पिज्जा हट का यह सोशल मीडिया पोस्ट वायरल है और पूरे पाकिस्तान की फजीहत हो रही है। पिज्जा हट ने कितने साफ शब्दों में लिखा पाकिस्तान अपने ग्राहकों को यह इत्तिलाह करता है कि सियालकोट कंटेनमेंट एरिया में जो आउटलेट खोला गया है वो अनऑथोराइज्ड है। हमारा नाम उस आउटलेट के लिए गलत तरीके से इस्तेमाल किया गया है। यह हमसे जुड़ा हुआ नहीं है।

हां और ना कह सकते हैं लेकिन...ट्रंप ने ग्रीनलैंड को बर्फ का छोटा टुकड़ा बताया

यूरोप

दावोस में विश्व आर्थिक मंच पर बोलते हुए, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया कि ग्रीनलैंड की सुरक्षा करने की क्षमता संयुक्त राज्य अमेरिका के अलावा किसी अन्य देश के पास नहीं है, और उन्होंने आर्कटिक क्षेत्र को रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बताया। वैश्विक नेताओं को संबोधित करते हुए, ट्रम्प ने कहा कि अतीत में ग्रीनलैंड को सौंप देना मूर्खतापूर्ण था और दावा किया कि डेनमार्क अकेले इस द्वीप की रक्षा करने में असमर्थ है। उन्होंने पट्टे की व्यवस्था के माध्यम से ग्रीनलैंड की रक्षा करने के अमेरिकी विचार को भी खारिज कर दिया, यह कहते हुए कि ऐसा दृष्टिकोण कारगर नहीं होगा। ग्रीनलैंड को बर्फ का एक टुकड़ा बताते हुए, ट्रम्प ने कहा कि हमें इसकी पूर्ण ऑनरशिप चाहिए। आप लीज पर इसकी रक्षा नहीं कर सकते। हमारे प्रस्तावों पर देश हां और ना कह सकते हैं लेकिन अमेरिका आपके रिस्पॉन्स को याद रखेगा।

ट्रंप तर्क दिया कि इसके रणनीतिक महत्व के मुकाबले इस क्षेत्र पर नियंत्रण की मांग नगण्य है। उन्होंने कहा कि ग्रीनलैंड की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक सैन्य और रसद क्षमता केवल संयुक्त राज्य अमेरिका के पास है। उन्होंने कहा कि हम अब बहुत बड़ी मिलिट्री पावर हैं। मैं मिलिट्री

का इस्तेमाल नहीं करना चाहता और ना ही करन चाहूंगा। लेकिन हम फिर भी ग्रीनलैंड पर कब्जा करने के लिए मिलिट्री का इस्तेमाल कर सकते हैं। हमें हमारी सुरक्षा के लिए ग्रीनलैंड की जरूरत है। ट्रम्प की टिप्पणियों ने एक बार फिर ग्रीनलैंड के भू-राजनीतिक महत्व की ओर अंतरराष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया।

ग्रीनलैंड का महत्व उसकी लोकेशन में निहित है। ग्रीनलैंड जो है वो आर्कटिक रीजन के आठ देशों में से एक है। ऐसे तो यह डेनमार्क का हिस्सा है लेकिन ऑटोनॉमस टेरिटरी है यानी स्वायत्त क्षेत्र। इसका 80% हिस्सा बर्फ से ढका है और बर्फ की भी 4 किमी मोटी परत है। लेकिन अब यह पिघल रही है। आर्कटिक रीजन बाकी दुनिया के मुकाबले चार गुना रफ्तार से तप रहा है। करीब 26 लाख स्क्वायर किमी बर्फ गायब हो चुकी है। डाटा के मुताबिक इसी बर्फ के नीचे दुनिया की 30% अनएक्सप्लोर्ड गैस और 13% अनएक्स्लोर्ड ऑयल यह छुपे हुए हैं। इसके अलावा यहां कीमती धातुएं सोना, प्लैटिनम, जस्ता और लौ, अयस्क, तांबा, सीसा, मोलिब्डेनम और टाइटेनियम यह सब भी मौजूद बताए जाते हैं।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा, प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI NO. UPHIN/2001/09025
प्रबन्धक
अनूप मिश्रा
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादो का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा